

કુરઆને પાક સહીહ મખારિજ કે સાથ પઢને કે લિયે ઈબ્તિદાઈ કાઈદા

Madani Qaaida (Gujarati)



મ-દની કાઈદા



પેશકશ: મજલિસે મદરાસતુલ મદીના (રા'પને ઈસ્લામી)



بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ

الْقَلُوبَ وَالسَّلَامُ عَلَيْكَ يَا رَسُولَ اللَّهِ
وَعَلَىٰ آلِكَ وَأُمَّهِكَ يَا حَبِيبَ اللَّهِ

કુરઆને પાક સહીહ મખારિજ કે સાથ પઠને કે લિયે ઈબ્તિદાઈ કાઈદા

મ-દની કાઈદા

પેશકશ: મજલિસે મદ્ર-સતુલ મદીના (દા'વતે ઈસ્લામી)

મક-ત-બતુલ મદીના®

દા'વતે ઈસ્લામી



ફેઝાને મદીના ત્રી કોનિયા બગીચે કે પાસ, મિરઝાપૂર, અહમદઆબાદ, ગુજરાત, ઇન્ડિયા

Mo : 7567254787 E-mail : feedbackmmhind@gmail.com

મજલિસે તરાજિમ (દા'વતે ઇસ્લામી)

યેહ રિસાલા (મ-દની કાઈદા)

મજલિસે મક્ર-સતુલ મદીના (દા'વતે ઇસ્લામી) ને ઉર્દૂ જબાન મેં પેશ કિયા હૈ.

મજલિસે તરાજિમ (દા'વતે ઇસ્લામી) ને ઈસ રિસાલે કો ગુજરાતી રસ્મુલ ખત મેં તરતીબ દે કર પેશ કિયા હૈ ઓર મક્ર-ત-બતુલ મદીના સે શાએઅ કરવાયા હૈ.

ઈસ રિસાલે મેં અગર કિસી જગહ કમી બેશી યા ગ-લતી પાએં તો મજલિસે તરાજિમ કો (બ ઝરીઅએ મક્તૂબ, E-mail યા SMS) મુત્તલઅ ફરમા કર સવાબ કમાઈયે.

રાબિતા : મજલિસે તરાજિમ (દા'વતે ઇસ્લામી)

મક્ર-ત-બતુલ મદીના, સિલેક્ટેડ હાઉસ, અલિફ કી મસ્જિદ

કે સામને, તીન દરવાઝા, અહમદઆબાદ-1, ગુજરાત

Mo. 98987 32611 • hindibook@dawateislamihind.net

કિયામત કે રોઝ હસરત

ફરમાને મુસ્તફા صَلَّى اللهُ تَعَالَى عَلَيْهِ وَآلِهِ وَسَلَّمَ : સબ સે ઝિયાદા હસરત કિયામત કે દિન ઉસ કો હોગી જિસે દુન્યા મેં ઇલ્મ હાસિલ કરને કા મૌકઅ મિલા મગર ઉસ ને હાસિલ ન કિયા ઓર ઉસ શખ્સ કો હોગી જિસ ને ઇલ્મ હાસિલ કિયા ઓર દૂસરોં ને તો ઉસ સે સુન કર નફ્અ ઉઠાયા લેકિન ઇસ ને ન ઉઠાયા (યા'ની ઉસ ઇલ્મ પર અમલ ન કિયા)

(તારિખ દમશ્ક લાબન દસાક્રજ ૧૦૧ વ ૩૮૧ ડારાલફકર બિરોત)

કિતાબ કે ખરીદાર મુ-તવજ્જેહ હોં

કિતાબ કી તબાઅત મેં નુમાયાં ખરાબી હો યા સફહાત કમ હોં યા બાઈન્ડિંગ મેં આગે પીછે હો ગએ હોં તો મક્ર-ત-બતુલ મદીના સે રુજૂઅ ફરમાઈયે.

الْحَمْدُ لِلَّهِ رَبِّ الْعَالَمِينَ وَالصَّلَاةُ وَالسَّلَامُ عَلَى سَيِّدِ الْمُرْسَلِينَ
 أَمَا بَعْدُ فَأَعُوذُ بِاللَّهِ مِنَ الشَّيْطَانِ الرَّجِيمِ ط بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ ط

हुर्र के मजारिज

✳ मजरज का लुगवी मा'ना "निकलने की जगह" है और इस्तिवाहे तजवीद में जिस जगह से हुर्र अदा होता है उसे "मजरज" कहते हैं. मजारिज की ता'दाद के बारे में अर्थम्मे किराम के मुफ्तविक अकवाल हैं उजरते ईमाम खलीद बिन अहमद इरासीदी رحمة الله تعالى عليه और अकसर अर्थम्मे किराम के नजदीक मजारिज की ता'दाद सत्तरह (17) है.

मजरज का नाम	हुर्र	हुर्र के अल्फाज	मजारिज
हल्की मजरज	ه، ع	हुर्रके ह-लकिय्यह	हल्क के नीचे वाले हिस्से से अदा होते हैं.
" "	ح، ع	" "	हल्क के दरमियान वाले हिस्से से अदा होते हैं.
" "	خ، غ	" "	हल्क के उपर वाले हिस्से से अदा होते हैं.
विसानी मजारिज	ق	हुर्रके ल-उविय्यह	जभान की जउ और तालू के नर्म हिस्से से अदा होता है.
" "	ك	" "	जभान की जउ और तालू के सप्त हिस्से से अदा होता है.
" "	ج، ش، ی	हुर्रके श-जरिय्यह	जभान के दरमियान और तालू के दरमियान से अदा होते हैं.
" "	ض	हुर्रके डाकिय्यह	जभान की करवट और उपर की दाहों की जउ से अदा होता है.
" "	ل	हुर्रके त-रकिय्यह	जभान का कनारा और जवाहिक से सनाया तक के मसूदों से अदा होता है.
" "	ن	" "	जभान का कनारा और अन्याज से सनाया तक के दांतों की जउ से अदा होता है.
" "	ر	" "	जभान की नोक और मुकाबिल के तालू से अदा होता है.
" "	ت، د، ط	हुर्रके नित्थिय्यह	जभान की नोक और उपर के दांतों की जउ से अदा होते हैं.
" "	ث، ذ، ظ	हुर्रके लि-सविय्यह	जभान का सिरा और उपर के दांतों के अन्दरूनी कनारे से अदा होते हैं.
" "	ص، ز، س	हुर्रके सईरिय्यह	जभान की नोक और दोनों दांतों के अन्दरूनी कनारे से अदा होते हैं.
श-इवी मजारिज	ف	हुर्रके श-इविय्यह	उपर के दांतों के कनारे और निचले छोट के तर हिस्से से अदा होता है.
" "	ب، م، و	" "	"ब" दोनों छोटों के तर हिस्से से, "म" दोनों छोटों के भुशक हिस्से से और, "و" दोनों छोटों की गोवाँ से अदा होता है.
जौड़ी मजरज	हुर्रके मदा (ا، و، ی)		जौड़े दहन : या'नी मुंड का खला
	भैशूम (नाक का भांसा)		येह गुन्ना का मजरज है.

الْحَمْدُ لِلَّهِ رَبِّ الْعَالَمِينَ وَالصَّلَاةُ وَالسَّلَامُ عَلَى سَيِّدِ الْمُرْسَلِينَ
أَمَّا بَعْدُ فَأَعُوذُ بِاللَّهِ مِنَ الشَّيْطَانِ الرَّجِيمِ بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ

કિતાબ પઢને કી દુઆ

દીની કિતાબ યા ઇસ્લામી સબક પઢને સે પહલે ઝૈલ મેં દી હુઈ દુઆ પઢ
લીજિયે **إِنْ شَاءَ اللَّهُ عَزَّوَجَلَّ** જો કુછ પઢેંગે યાદ રહેગા. દુઆ યેહ હૈ :

اللَّهُمَّ افْتَحْ عَلَيْنَا حِكْمَتَكَ وَأَنْشُرْ
عَلَيْنَا رَحْمَتَكَ يَا ذَا الْجَلَالِ وَالْإِكْرَامِ

તરજમા : ઐ અલ્લાહ **عَزَّوَجَلَّ** ! હમ પર ઇલ્મો હિકમત કે દરવાઝે ખોલ દે ઓર હમ પર
અપની રહમત નાઝિલ ફરમા ! ઐ અ-ઝમત ઓર બુઝુર્ગી વાલે ! (مُسْتَطْرَف ج اص ٤٠ دار الفكر بيروت)

નોટ : અવ્વલ આખિર એક એક બાર દુરૂદ શરીફ પઢ લીજિયે.

તાલિબે ગમે
મદીના વ
બકીઅ વ
મગિરત



13 શવ્વલ મુકર્રમ 1428 સિ.હિ.

મ-દની મકસદ : મુઝે અપની ઓર સારી દુન્યા કે લોગોં કી ઇસ્લાહ કી કોશિશ કરની હૈ. **إِنْ شَاءَ اللَّهُ عَزَّوَجَلَّ**

નામ _____

મદ્રસા _____

દ-રજા નમ્બર _____

પતા _____

ફોન નમ્બર _____

पहले घसे पढिये

येडी है आरजू ता'लीमे कुरआं आम हो जाओ
तिलावत करना सुब्हो शाम मेरा काम हो जाओ

कुरआने मज्जद, कुरकाने हमीद, अल्लाह तआला का औसा कलाम है जो के रुशदो
हिदायत और एल्मो हिकमत का अनमोल भजाना है. नबिय्ये मुकर्रम, नूरे
मुजस्सम, रसूल अकरम, शह-शाहे बनी आदम صَلَّى اللهُ تَعَالَى عَلَيْهِ وَآلِهِ وَسَلَّمَ ने एशरिह इरमाया :
خَيْرُكُمْ مَنْ تَعَلَّمَ الْقُرْآنَ وَعَلَّمَهُ या'नी तुम में बेहतरीन शप्स वोह है, जिस ने कुरआन
को सीखा और दूसरों को सिखाया.

(صحيح البخارى، كتاب فضائل القرآن، باب خيركم.....الخ، الحديث ٥٠٢٢، ص ٤٣٥)

तब्लीगे कुरआनो सुन्नत की आलमगीर गैर सियासी तहरीक
दा'वते इस्लामी के तहत ता'लीमे कुरआने पाक को आम करने के लिये अन्दरून व
बैरूने मुल्क हिफ्ज व नाजिरा के **2257** मदरिस बनाम **“मद्र-सतुल मदीना”** काँम
हैं. मुल्के मुर्शिद में ता'दमे तहरीर कभो बेश **107000** (अेक लाख सात हजार) म-दनी
मुन्ने और म-दनी मुन्नियों को हिफ्ज व नाजिरा की मुफ्त ता'लीम दी जा रही है.
इसी तरह मुप्तलिफ् मसाजिद वगैरा में उमूमन रोजाना बा'द नमाजे इशा
हजारहा **मद्र-सतुल मदीना** (बराओ बालिगान) की तरकीब होती है जिन में इस्लामी
भाई सहीह मभारिज से हुइफ की दुरुस्त अदाओगी के साथ कुरआने करीम सीपते,
दुआओं याद करते हैं नीज नमाजों और सुन्नतों की ता'लीम मुफ्त हासिल करते हैं.
इलावा अजीं ब शुमूल मुल्के मुर्शिद हुन्या के मुप्तलिफ् मुमालिक में घरों के अन्दर
तकरीबन रोजाना हजारों मदरिस बनाम **मद्र-सतुल मदीना** (बराओ बालिगात)
भी काँम किये जाते हैं. अक्तूबर 2016 ई. की कारकईगी के मुताबिक इकत बाबुल
मदीना में इस्लामी बहनों के **994** (नव सो यरानवे) मद्रसे तकरीबन
रोजाना काँम होते हैं जिन में **9915** (नव हजार नव सो पन्दरह) इस्लामी बहनों
कुरआने पाक, नमाज और सुन्नतों की मुफ्त ता'लीम पातीं और दुआओं याद करती हैं.

اَلْحَمْدُ لِلّٰهِ عَزَّوَجَلَّ ! मद्र-सतुल मदीना के तजरिबा कार असातिअे किराम ने कुरआने पाक को आसान अन्दाज में सीपने के लिये **म-दनी काँदा** मुरतब किया है. **“म-दनी काँदा”** में छोटी और बड़ी उम्र के त-लबा व तालिबात के लिये तजवीद के बुन्यादी क्वाँद हत्तल ईम्कान आसान अन्दाज में पेश किये गये हैं ताके म-दनी मुन्ने, म-दनी मुन्नियां और ईस्लामी भाई और ईस्लामी बहनें आसानी से दुरुस्त कुरआने पाक पढना सीप जायें. जय्यिद कुराँ हजरात (كَرَّمَ اللهُ تَعَالَى) ने ईल्मे तजवीद के हवाले से बहुत अहतियात के साथ **म-दनी काँदा** पर नजरे सानी इरमाई है.

म-दनी काँदा के तरीकअे तदरीस के लिये रहुनुमाअे मुदरिसीन भी मुरतब की गई है, जिस में अस्बाक पढाने का तरीकअे कार तइसील के साथ बताया गया है. اَلْحَمْدُ لِلّٰهِ عَزَّوَجَلَّ म-दनी काँदा की **V.C.D.** दा'वते ईस्लामी के ईदारे मक-त-बतुल मदीना से जारी की गई है, जिस से येह **म-दनी काँदा** समज कर कुरआने पाक पढने में मज्दीद आसानी होगी.

अल्हाड तआला से हुआ है के हमें अभीरे अहले सुन्नत, भानिये दा'वते ईस्लामी, हजरात अल्हामा मौलाना अबू बिलाव मुहम्मद ईल्यास अत्तार कादिरि र-उवी دَامَتْ بَرَكَاتُهُمُ الْعَالِيَةِ के अता कर्दा ईस म-दनी मकसद **“मुझे अपनी और सारी दुन्या के लोगों की ईस्लाह की कोशिश करने है اِنْ شَاءَ اللهُ عَزَّوَجَلَّ”** के तइत अपनी ईस्लाह के लिये म-दनी ईन्आमात पर अमल करने और सारी दुन्या के लोगों की ईस्लाह की कोशिश के लिये आशिकाने रसूल के साथ **म-दनी काँदों** का मुसाइर बनते रहने की तौईक अता इरमाअे और दा'वते ईस्लामी को दिन ग्यारहवीं रात बारहवीं तरक्की अता इरमाअे.

اٰمِيْنَ بِجَاهِ النَّبِيِّ الْاَمِيْنَ صَلَّى اللهُ تَعَالَى عَلَيْهِ وَآلِهِ وَسَلَّمَ

मजलिसे मद्र-सतुल मदीना (दा'वते ईस्लामी)

29 जुल हिजजतिल हुराम 1428 हि.

الْحَمْدُ لِلَّهِ رَبِّ الْعَالَمِينَ وَالصَّلَاةُ وَالسَّلَامُ عَلَى سَيِّدِ الْمُرْسَلِينَ
 أَنَا بَعْدُ فَأَعُوذُ بِاللَّهِ مِنَ الشَّيْطَانِ الرَّجِيمِ ط بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ ط

सभक नम्बर (1) : छुर्के मुर्दात

- ❖ छुर्के मुर्दात या'नी छुर्के तउज्ज 29 हें.
- ❖ छुर्के मुर्दात को तजवीद व किराअत के मुताबिक अ-रबी लउजे में अदा करें उर्दू तलफुऊ से परलेउ करें या'नी **پا، تا، ثا، حا، حاء، طا، ط** के वगैरा उरगिउ न पढ़ें बल्के **ط، ظ، ح، ق** पढ़ें.
- ❖ इन 29 छुर्के में सात "7" छुर्के ऐसे हैं जो उर डालत में पुर या'नी मोटे पढे जाते हैं उनहें छुर्के मुस्ता'दिया कहते हैं और वोड येड हें **ق، ح، ط، ص، ض، ظ، ح، ق** इन का मजमूआ **مَجْمُوعَةُ مَسْخُوطَاتِ** है.
- ❖ छोटों से सिर्फ़ यार छुर्के अदा छोते हें. **و، م، ب، ف، म** इन के एलावा बाकी छुर्के पर छोट न छिलने दें.
- ❖ इन तीन छुर्के **ص، ز، س** को अदा करते वक्त सीटी की तरड तेउ आवाउ निकलती है एस दिये इन छुर्के को छुर्के सफीरिया या'नी सीटी वाले छुर्के कहते हें.

ا (أَلِف)	ب (بَا)	ت (تَا)	ث (ثَا)	ح (حِيم)
ح (حَا)	خ (خَا)	د (دَا)	ذ (ذَا)	ر (رَا)
ز (زَا)	س (سِين)	ش (شِين)	ص (صَاد)	ض (ضَاد)
ط (طَا)	ظ (ظَا)	ع (عِين)	غ (غِين)	ف (فَا)
ق (قَات)	ك (كَات)	ل (لَام)	م (مِيم)	ن (نُون)
و (وَا)	ه (هَا)	ه (هَمَزَة)	ی (يَا)	

الْحَمْدُ لِلَّهِ رَبِّ الْعَالَمِينَ وَالصَّلَاةُ وَالسَّلَامُ عَلَى سَيِّدِ الْمُرْسَلِينَ
أَمَّا بَعْدُ فَأَعُوذُ بِاللَّهِ مِنَ الشَّيْطَانِ الرَّجِيمِ ط بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ ط

सभक नम्बर (2) : छुरके मुरकबात

- ❖ दो "2" या छस से आछट छुरके मिल कर अक मुरकबा बनता छै.
- ❖ मुरकबा छुरके को मुकरद छुरके की तरफ अलग अलग पढ़ें.
- ❖ छस सभक में भी तलफुअ की अदाअगी का भास भयाल रहते छुअे मा'रुअ या'नी अ-रबी लउजे में पढ़ें.
- ❖ जब दो या छस से आछट छुरके मिला कर लिखे जाते हैं तो उन की शकल कुछ बदल जाती छै अकसर छुरके का सर लिखा जाता छै और धउ छोड दिया जाता छै.
- ❖ जो छुरके मुरकबा छोने की छालत में अक जैसे लिखे जाते हैं उन की नुक्तों के रदो बदल से पछयान करें.













ता	ना	बा	ला	ला	ा
قا	فا	سا	شا	ثا	يا
صا	غا	عا	حا	خا	جا
كا	ها	ما	ظا	طا	ضا
طب	كف	كث	كت	كب	لب
قل	فل	ضل	صل	شل	سل
ظن	طن	كن	كل	غل	عل

خذ	غد	عد	حد	خد	جد
ظر	طر	ير	بر	حر	خز
شم	ثم	يم	تم	نم	جم
يغ	بع	بج	حج	عج	لج
تس	يس	بس	قض	فص	نص
حق	عق	سق	شق	قق	فق
مو	هو	كو	تك	فك	لك
مى	ؤ	يى	تى	نى	بى
فظ	عط	ية	تة	نة	بة
هلك	حمد	عبد	بعد	بهم	يلب
سخط	فئة	حسن	ثمن	خطف	يهب

خلق	فلق	علق	نصر	قتل	يلج
تجد	طبع	بلغ	نفس	جنت	سئل
قسط	صفت	شمس	خشى	غير	غبر
مطر	عشر	عسر	ظلل	شكر	بسم

الْحَمْدُ لِلَّهِ رَبِّ الْعَالَمِينَ وَالصَّلَاةُ وَالسَّلَامُ عَلَى سَيِّدِ الْمُرْسَلِينَ
 أَنَا بَعْدُ فَأَعُوذُ بِاللَّهِ مِنَ الشَّيْطَانِ الرَّجِيمِ ط بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ ط

सभक नम्बर (3) : उ-र-कत

- उ-र-कत की जम्मा उ-र-कत है. जभर , जेर  और पेश  को उ-र-कत कहते हैं. जभर और पेश उर्क के ठीपर जभ के जेर उर्क के नीचे होता है.
- जिस उर्क पर कोई उ-र-कत हो उसे मु-तहरिक कहते हैं.
- जभर  मुंह और आवाज को ञोल कर, जेर  आवाज को नीचे गिरा कर और पेश  उठों को गोल कर के अदा करें.
- उ-र-कत को ञिगैर ञींये ञिगैर जटका दिये मा'रुई पठें.
- “” पर कोई उ-र-कत या जज्म आ जज्मे तो उसे उम्मा “” पठें.
- “” पर जभर या पेश हो तो  को पुर और “” के नीचे जेर हो तो “” को ञारीक पठें.

ب	بِ	بَ	اُ	اِ	اَ
ث	ثِ	ثَ	تُ	تِ	تَ

ح	ح	ح	ج	ج	ج
د	د	د	خ	خ	خ
ر	ر	ر	ذ	ذ	ذ
س	س	س	ز	ز	ز
ص	ص	ص	ش	ش	ش
ط	ط	ط	ض	ض	ض
ع	ع	ع	ظ	ظ	ظ
ف	ف	ف	ع	ع	ع
ك	ك	ك	ق	ق	ق
م	م	م	ل	ل	ل
و	و	و	ن	ن	ن

ه ه ه ه ه ه
 م م م م م م

الْحَمْدُ لِلَّهِ رَبِّ الْعَالَمِينَ وَالصَّلَاةُ وَالسَّلَامُ عَلَى سَيِّدِ الْمُرْسَلِينَ
 أَمَا بَعْدُ فَأَعُوذُ بِاللَّهِ مِنَ الشَّيْطَانِ الرَّجِيمِ ط بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ ط

सभक नम्बर (4)

- ✦ ईस सभक को रवां पढें.
- ✦ उ-रकात की दुरुस्त अदाअेगी का भास जयाल रभें.
- ✦ छुरई करीबुससौत या'नी मिलती जुलती आवाज वाले छुरई में वाजेड ईक करें.
- ✦ छुरई करीबुससौत सोलड "16" हें. (त, ट), (ज, ड, झ, ञ), (थ, द, ध), (स, श, ष), (द, ड, ढ), (क, ख, ग, घ, ङ)

ط	ط	ط	ث	ث	ث
ذ	ذ	ذ	ز	ز	ز
ش	ش	ش	ظ	ظ	ظ
ص	ص	ص	س	س	س
ض	ض	ض	د	د	د
ق	ق	ق	ك	ك	ك

ح	ح	ح	ه	ه	ه
ع	ع	ع	م	م	م
ع	ع	ع	خ	خ	خ
م	م	م	ب	ب	ب
ف	ف	ف	و	و	و
ن	ن	ن	ل	ل	ل
ج	ج	ج	ر	ر	ر
ي	ي	ي	ش	ش	ش

يَا خَيْرُ

❁ सुन्नतों का पाबन्द और नेक बनने के लिये यलते फिरते पढते रहें.

(मसाईलुल कुरआन, स. 290)

धल्म के पांच ६-रजत

- ❁ (1) भामोशी (2) तवज्जोड से सुनना (3) जो सुना उसे याद रभना
(4) जो सीभा उस पर अमल करना (5) जो धल्म डसिल डो उसे दूसरों तक पडोयाना.

الْحَمْدُ لِلَّهِ رَبِّ الْعَالَمِينَ وَالصَّلَاةُ وَالسَّلَامُ عَلَى سَيِّدِ الْمُرْسَلِينَ
 أَنَا بَعْدُ فَأَعُوذُ بِاللَّهِ مِنَ الشَّيْطَانِ الرَّجِيمِ ط بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ ط

सभक नम्बर (5) : तन्वीन

- ❖ दो अक्षर =, दो अक्षर = और दो पेश = को तन्वीन कहते हैं। जिस उर्फ पर तन्वीन हो उसे मुनव्वन कहते हैं।
- ❖ तन्वीन नून साकिन होता है जो कविमे के आभिर में आता है इस विये तन्वीन की आवाज नून साकिन की तरफ होती है। जैसे : $أُن = اُن$, $إِنْ = اِنْ$, $أَنْ = اَنْ$
- ❖ तन्वीन के छिज्जे इस तरफ करें, $مَنْ$ दो अक्षर $مِيم : مَّا$, $وَمِنْ$ दो अक्षर $مِيم : مِم$, $مِنْ$ दो पेश $مِيم : م$
 $= مَّا , مِم , م$
- ❖ अक्षर की तन्वीन के बा'द कहीं " | " और कहीं " ی " लिखा जाता है छिज्जे करते वक्त इस का नाम न लें।

ط	ط	طَّا	طَو	ت	تَّا
ذ	ذ	ذَّا	ذَو	ز	زَّا
ث	ث	ثَّا	ثَو	ظ	ظَّا
ص	ص	صَّا	صَو	س	سَّا
ض	ض	ضَّا	ضَو	د	دِّي

ك	ك	ك	ك	ك	ك
ه	ه	ه	ه	ه	ه
و	و	و	و	و	و
خ	خ	خ	خ	خ	خ
ب	ب	ب	ب	ب	ب
و	و	و	و	و	و
ل	ل	ل	ل	ل	ل
ر	ر	ر	ر	ر	ر
ش	ش	ش	ش	ش	ش

الْحَمْدُ لِلَّهِ رَبِّ الْعَالَمِينَ وَالصَّلَاةُ وَالسَّلَامُ عَلَى سَيِّدِ الْمُرْسَلِينَ
 أَنَا بَعْدُ فَأَعُوذُ بِاللَّهِ مِنَ الشَّيْطَانِ الرَّجِيمِ ط بِسْمِ اللّٰهِ الرَّحْمٰنِ الرَّحِیْمِ ط

सभक नम्बर (6)

- ✦ इस सभक को डिज्जे और रवां दोनों तरीकों से पढ़ें.
- ✦ उ-रकात, तन्वीन और तमाम छुड़ई बिल भुसूस छुड़ई मुस्ता'विया की दुरुस्त अदाअेगी का भास भयाल रभें.
- ✦ डिज्जे इस तरउ करें: **مَلِكٌ** = **م** कै पेश **क**, **مَل** = **ل** कै **लाम**, **م** अबर **मिम** : **مَلِكٌ**

نَزَلَ	خَلَقَ	صَدَقَ	يَدَاكَ	بَلَغَ	طَبَعَ
جَعَلَ	فَعَلَ	نَظَرَ	ذَكَرَ	كَسَبَ	أَبَلَ
رُسِلَ	صُحِفَ	ثُلُثُ	سُدُسُ	حُرْمٌ	رُبْعٌ
حَمِدًا	خَطِفَ	مَلِكٍ	تَزِدُ	تَجِدُ	يَلِجُ
قُتِلَ	سُئِلَ	قُرِئَ	قَمَرٌ	كَبُرَ	حُشِرَ
أَحَدًا	مَرَضًا	عَبَلًا	هُدًى	طُوى	قُدًى
مَسَدٍ	ثَنِينَ	سَخَطٍ	ظُلِّلَ	فِئَةٍ	عُنُقٍ
نَفَرٌ	صَمَدٌ	غَضَبٌ	لَعِبٌ	أَذُنٌ	كُتِبَ

دَرَجَةٌ قِرْدَةٌ عَلَقَةٌ سَفَرَةٌ شَجَرَةٌ قَتْرَةٌ

الْحَمْدُ لِلَّهِ رَبِّ الْعَالَمِينَ وَالصَّلَاةُ وَالسَّلَامُ عَلَى سَيِّدِ الْمُرْسَلِينَ
 أَنَا بَعْدُ فَأَعُوذُ بِاللَّهِ مِنَ الشَّيْطَانِ الرَّجِيمِ ط بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ ط

सभक नम्बर (7) : छुरई मदा

- ✦ इस अवामत “**و**” को जज़्म कहते हैं, जिस उई पर जज़्म हो उसे साकिन कहते हैं.
- ✦ साकिन उई अपने से पहले मु-तदर्रिक उई से मिल कर पढा जाता है.
- ✦ छुरई मदा तीन हैं - **الف ، وآو ، یا** -
- ✦ **الف** से पहले ज़बर हो तो **الف** मदा होगा जैसे **وآو**, **وآ** साकिन “**و**” से पहले पेश हो तो **و** मदा होगा जैसे **وآو**, **و** साकिन “**ی**” से पहले ज़र हो तो **یا** मदा होगा जैसे **یآ**.
- ✦ छुरई मदा को अक अलिफ़ या’नी दो उ-रक़ात के बराबर भीय कर पढ़ें.
- ✦ डिज्जे इस तरउ करें: **یا** : **آ** ज़बर **یا** : **آ**, **و** पेश **وآ** : **و**, **ی** ज़र **یا** : **ی** = **ی**, **و**, **یا**.

تِي	تُو	تَا	يِي	يُو	يَا
جِي	جُو	جَا	شِي	شُو	شَا
خِي	خُو	خَا	حِي	حُو	حَا
ذِي	ذُو	ذَا	دِي	دُو	دَا
زِي	زُو	زَا	رِي	رُو	رَا
شِي	شُو	شَا	سِي	سُو	سَا

صَا	صُو	صِي	صَا	ضُو	ضِي
طَا	طُو	طِي	ظَا	ظُو	ظِي
عَا	عُو	عِي	فَا	عُو	عِي
فَا	فُو	فِي	قَا	قُو	قِي
كَا	كُو	كِي	لَا	لُو	لِي
مَا	مُو	مِي	نَا	نُو	نِي
وَا	وُو	وِي	هَا	هُو	هِي
ا	اُو	اِي	يَا	يُو	يِي

يَا عَلِيمُ

❁ 21 بار (अव्वल आभिर अेक बार दुर्रद शरीफ़) पढ कर पानी पर दम कर के 40 रोज तक नहार मुंछ पिये (या पिलाअे) **اِنْ شَاءَ اللهُ عَزَّوَجَلَّ** (पीने वाले का) डाकिआ रेशन हो जाअेगा. (श-ज-रअे आलिया कादिरिया र-अविया जियाईया अत्तारिया, स. 46)

الْحَمْدُ لِلَّهِ رَبِّ الْعَالَمِينَ وَالصَّلَاةُ وَالسَّلَامُ عَلَى سَيِّدِ الْمُرْسَلِينَ
أَنَا بَعْدُ فَأَعُوذُ بِاللَّهِ مِنَ الشَّيْطَانِ الرَّجِيمِ ط بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ ط

सभक नम्बर (8) : अडी उ-रकात

- ✦ अडे जबर **ا**, अडे जेर **آ** और उलटे पेश **أ** को अडी उ-रकात कहते हैं.
- ✦ अडी उ-रकात हुइके मदा के काँम मकाम हैं इस विये अडी उ-रकात को भी हुइके मदा की तरफ ओक अलिइ या'नी दो उ-रकात के बराबर भीय कर पढ़ें.
- ✦ इस सभक में भी हुइके करीबुससौत या'नी मिलती जुलती आवाज वाले हुइके में वाजेउ इक करें.

ط	ط	ط	ث	ت	ث
ذ	ذ	ذ	ز	ز	ز
ش	ش	ش	ظ	ظ	ظ
ص	ص	ص	س	س	س
ض	ض	ض	د	د	د
ق	ق	ق	ك	ك	ك
ح	ح	ح	ه	ه	ه

ع	ع	ع	ا-ع	ا-ع	ا-ع
ع	ع	ع	خ	خ	خ
م	م	م	ب	ب	ب
ف	ف	ف	و	و	و
ن	ن	ن	ل	ل	ل
ج	ج	ج	ر	ر	ر
ی	ی	ی	ش	ش	ش

اَلْحَمْدُ لِلّٰهِ رَبِّ الْعٰلَمِيْنَ وَالصَّلٰوةُ وَالسَّلَامُ عَلٰى سَيِّدِ الْمُرْسَلِيْنَ
 اَمَّا بَعْدُ فَاَعُوْذُ بِاللّٰهِ مِنَ الشَّيْطٰنِ الرَّجِيْمِ ط بِسْمِ اللّٰهِ الرَّحْمٰنِ الرَّحِيْمِ ط

सभक नम्बर (9) : डुरई लीन

- डुरई लीन दो (2) हैं **آ** और **یا**.
- **آ** साकिन से पहले अंबर हो तो **लीन** होगा जैसे **جُو**, **یا** साकिन से पहले अंबर हो तो **लीन** होगा जैसे **جِی**.
- डुरई लीन को बिगैर भीये बिगैर अटका दिये नरमी से मा'रूइ पढ़ें.
- डिज्जे ईस तरह करें. **یُو** = **ی** अंबर **آ**, **ی** अंबर **یا**, **ی** अंबर **یا**.

بُوَ بِي تُوَ تِي ثُوَ ثِي

جُوَ جِي حُوَ حِي خُوَ خِي

دُوَ دِي ذُوَ ذِي رُوَ رِي

زُوَ زِي سُوَ سِي شُوَ شِي

صُوَ صِي ضُوَ ضِي طُوَ طِي

ظُوَ ظِي عُوَ عِي غُوَ غِي

فُوَ فِي قُوَ قِي كُوَ كِي

لُوَ لِي مُوَ مِي نُوَ نِي

وُوَ وِي هُوَ هِي اُوَ اِي

يُوَ يِي

الْحَمْدُ لِلَّهِ رَبِّ الْعَالَمِينَ وَالصَّلَاةُ وَالسَّلَامُ عَلَى سَيِّدِ الْمُرْسَلِينَ
 أَنَا بَعْدُ فَأَعُوذُ بِاللَّهِ مِنَ الشَّيْطَانِ الرَّجِيمِ ط بِسْمِ اللّٰهِ الرَّحْمٰنِ الرَّحِیْمِ ط

सभक नम्बर (10)

- ✽ इस सभक को डिज्जे और रवां दानों तरीकों से पढ़ें.
- ✽ इस सभक में पिछले तमाम अस्बाक या'नी उ-रकात, तन्वीन, डुर्रुके मदा, भडी उ-रकात और डुर्रुके वीन शामिल हैं.
- ✽ इन तमाम क्वाईद की अदाओगी और पडयान की पुप्तगी के साथ साथ सिद्धते लफ्जी का भास भयाल रभें बिल भुसूस डुर्रुके मुस्ता'लिया.
- ✽ डिज्जे करते वक्त इस भात का भयाल रभें के उर उर्क को पिछले डुर्रुके से मिलाते जाअें. जैसे **مَوْضُوعَة** के डिज्जे इस तरड करें.
- ✽ **مَوْضُوعَة** = **ع** अबर **ع**, **مَوْضُوعَة** = **فُو** पेश **مَوْضُوعَة**, **مَوْضُوعَة** = **ع** अबर **ع**

قَالَ	صِرَاطَ	هَذَا	ذَلِكَ	كَانُوا	قَالُوا
لَهُ	سَوْفَ	قَوْلُ	فِيهِ	نُوحِيهِ	بِهِ
لَيْسَ	بَيْنَ	عَذَابًا	مَتَاعًا	طَغَى	شَكُورًا
غَفُورًا	دَاوُدَ	خَوْفِ	يَوْمِ	قِيْلَ	حِيْلَ
رُسُلِهِ	رَسُولِهِ	إِلَيْهِ	عَلَيْهِ	صَوَابًا	مَا بَا
صَلَاةَ	زَكَاةَ	رَسُولِ	مَحْفُوظِ	مَقَامَهُ	خِتَهُ

لَوْحِ حَوْلِ دِينِ بَشِيرٍ قَوْمِهِ هَدَيْنَا

بَيْنَنَا زَاهِدِينَ رَاكِعُونَ عَيْسَى مُوسَى صُدُورِ

أَوَى قَوْلًا قَوْمًا مِيقَاتًا مِنْبِرًا شَيْءِ

شَيْئًا هَارُونَ سُلَيْمَانَ شُهُودَ تَعُودُ وَدُودُ

يَوْمِئِذٍ مَوْعِدُهُ كَرِيمٍ وَكَيْلٍ نُورِهِ أَرَعَيْتَ

أَفْرَعَيْتَ مَوْعِظَةً مَوْضُوعَةً مَوْعِدَةً سَمِيعٍ عَزِيزٍ

يَدَايِهِ حَيْثُ غَيْبٍ سَمَوَاتٍ كَلِمَاتٍ لَشَيْءٍ

قُرْشٍ بَابِتِنَا مَهْدًا عِلْمٍ كِتَابِ سَلَامٍ

أُذِينَا أُوتِينَا أَوْحَيْنَا نُوحِيهَا أَلْوَنِي أَمْنَوَابِي

تُدِيرُونَهَا فَلَا تَتَّبِعُوا مَا خَلَقْتُونِي فَلَا تَلُومُونِي وَلَا يُحِيطُونَ

الْحَمْدُ لِلَّهِ رَبِّ الْعَالَمِينَ وَالصَّلَاةُ وَالسَّلَامُ عَلَى سَيِّدِ الْمُرْسَلِينَ
 أَنَا بَعْدُ فَأَعُوذُ بِاللَّهِ مِنَ الشَّيْطَانِ الرَّجِيمِ ط بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ ط

सभक नम्बर (11) : सुकून (जज़्म)

- ❖ जैसा के आप पीछे पढ चुके हैं एस अलामत “**و**” को जज़्म कहते हैं, जिस उर्फ पर जज़्म हो उसे साकिन कहते हैं.
- ❖ जज़्म वाला उर्फ अपने से पहले मु-तहरिक उर्फ से मिल कर पढा जाता है.
- ❖ उम्माअे साकिना (**أ. ع.**) को हमेशा जटका दे कर पढें.
- ❖ **لुर्क** कल्कला पांय हैं **ق, ط, ب, ج, د** इन का मज्मूआ **تَطَبُّ جَدِّ** है.
- ❖ कल्कला के मा'ना जुम्बिश और उ-र-कत के हैं इन **लुर्क** के अदा करते वक्त मभरज में जुम्बिश सी हो जिस की वजह से आवाज लौटती **लुर्क** निकले.
- ❖ जब **लुर्क** कल्कला साकिन हों तो उन में कल्कला भूष ज़ाहिर होगी.
- ❖ एस सभक में **लुर्क** कल्कला व उम्माअे साकिना की अदाअेगी का पास जयाल रभें और मिलती जुलती आवाज वाले **लुर्क** में वाजेह इक करें.

أُط	إِط	أَط	أُت	إِث	أَث
أُد	إِذ	أَذ	أُز	إِز	أَز
أُث	إِث	أَث	أُط	إِط	أَط
أُص	إِص	أَص	أُس	إِس	أَس
أُض	إِض	أَض	أُد	إِذ	أَذ

أَلَيْكَ إِيَّاكَ أَقِيَّكَ أَيْكَ

أَهْأَهْأَهْأَهْأَهْ

أَعْأَعْأَعْأَعْأَعْ

أَخْأَخْأَخْأَخْأَخْ

أَبْأَبْأَبْأَبْأَبْ

أَوْأَوْأَوْأَوْأَوْ

آء ساکن سے پہلے
آء نہیں آتا

أَلْأَلْأَلْأَلْأَلْ

أَرْأَرْأَرْأَرْأَرْ

أَشْأَشْأَشْأَشْأَشْ

آء ساکن سے پہلے
پہلے نہیں آتا

أَيُّ

أَيُّ

أَشُّ

أَشُّ

أَشُّ

مَرْك

بَلُّ

مَنْ

عَنْ

إِنْ

قُلُّ

لَمْ	كَمْ	هَمْ	ذُقْ	قَدْ
إِصْطَبِرْ	مُسْتَظِرْ	فَاعْفِرْ	أَعِينْ	أَعْنَابًا
زَجْرَةٌ	نُطْفَةٌ	مُدْهِنُونَ	أَبْوَابًا	فَافْرُقْ
يُقْرِضْ	يُغْنِيْ	تَجْرِيْ	جَمْعًا	فَتَحْهُ
مُؤْمِنِينَ	مُؤْمِنُونَ	يُؤْمِنُونَ	مُؤَصَّدَةٌ	إِقْرَأْ
شَانُ	كَاسًا	بِسْ	يَشَا	نَشَا
إِثْمٌ	يَبْحَثُ	أَحْيَا	أُخْرَى	إِذْهَبْ
أَشَدُّ	إِرْكَبْ	حُشِرْتُ	نُشِرْتُ	أَحْضَرْتُ
طَهَسْتُ	فُرِجْتُ	نُسِفْتُ	يُظْلَمُونَ	يَظْهَرُ
إِصْدِرْ	بَيْنَكُمْ	بَيْنَهُمْ	فَضْلِكَ	عَلَيْهِمْ
أَعْمَالَهُمْ	أَعْمَالَكُمْ	أَيْدِيَهُمْ	يَسْتَبْدِلُ	يَسْتَفْتِحُونَ

الْحَمْدُ لِلَّهِ رَبِّ الْعَالَمِينَ وَالصَّلَاةُ وَالسَّلَامُ عَلَى سَيِّدِ الْمُرْسَلِينَ
 أَنَا بَعْدُ فَأَعُوذُ بِاللَّهِ مِنَ الشَّيْطَانِ الرَّجِيمِ ط بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ ط

सभक नम्बर (12) : नून साकिन और तन्वीन (धजहार, धफ़ा)

❖ नून साकिन और तन्वीन के चार काँटे हैं (1) धजहार (2) धफ़ा (3) धदगाम (4) धक़ाब.

❖ (1) धजहार : नून साकिन या तन्वीन के बा'द धुरक़े उल्की में से कोई उर्क़ आ जाअे तो धजहार डोगा या'नी नून साकिन और तन्वीन में गुन्ना नहीं करेगे. धुरक़े उल्की छ "6" हैं और वोड येड हैं:

ع, ه, ع, ح, ع, خ

❖ (2) धफ़ा : नून साकिन या तन्वीन के बा'द धुरक़े धफ़ा में से कोई उर्क़ आ जाअे तो धफ़ा करे या'नी नून साकिन और तन्वीन में गुन्ना कर के पठें. धुरक़े धफ़ा पन्ढरड 15 हैं और वोड येड हैं

ت, ث, ج, د, ذ, ز, س, ش, ص, ض, ط, ظ, ف, ق, ك

❖ नोट : धदगाम और धक़ाब के काँटे सभक नम्बर 14 में भौजूड हैं.

مِنْ أَجَلٍ	مِنْ هَادٍ	مِنْ عَلَقٍ	مِنْ حَكِيمٍ
مِنْ غَفُورٍ	مِنْ خَوْفٍ	فَمِنْ تَبِيعٍ	مِنْ ثَمَرَةٍ
مِنْ جُوعٍ	مِنْ دُونِكُمْ	مِنْ ذَهَبٍ	فَإِنْ زَلَلْتُمْ
مَنْ سَفِهَهُ	مَنْ شَكَرَ	مِنْ صَالٍ	إِنْ ضَلَلْتُ
مِنْ طِينٍ	مَنْ ظَلَمَ	مِنْ فُرُوجٍ	مِنْ قَبْلِ
مِنْ كِتَابٍ	يَنْدُونَ	مِنْهُمْ	أَنْعَمْتَ

وَأَنْحَرُ	فَسَيُغْضُونَ	وَالْمُنْحِقَةَ	أَنْتَ
تَلْسُونَ	نُنَشِّرُهَا	يُنْصِرُونَ	مَنْصُودٍ
يُطِقُونَ	أَنْظُرُ	أَنْفُسِكُمْ	يَنْقُضُونَ
مِنْكُمْ	عَذَابًا أَلِيمًا	خَيْرٌ تَجِدُوهُ	عَدْنٍ تَجْرِي
بَلَدًا أَمِنًا	قَوْلًا ثَقِيلًا	شِهَابٍ ثَاقِبٍ	
نُوحًا هَدَيْنَا	فَصَبْرٌ جَمِيلٌ	خَلْقٌ جَدِيدٌ	
جُرْفٍ هَارٍ	كَأَسَدٍ هَاقًا	بِخُسٍ دَرَاهِمَ	
سَمِيعٌ عَلِيمٌ	سِرَاعًا ذَلِكِ	يَتَّبِعُهَا أَهْلُهَا	
خَلْقٌ عَظِيمٌ	صَعِيدًا زَلَقًا	يَوْمَئِذٍ زُرْقًا	
قَرْضًا حَسَنًا	قَوْلًا سَدِيدًا	بِقَلْبٍ سَلِيمٍ	
مُلْكٍ حَسَابِيَةٍ	بِأَسِّ شَدِيدٍ	عَذَابٍ شَدِيدٍ	

رَجَالٌ صَدَقُوا

عَمَلًا صَالِحًا

تَوَمَّا غَيْرِكُمْ

مُسْفِرَةٌ ضَاحِكَةٌ

عَذَابًا ضِعْفًا

قَلِيلَةً غَلَبَتْ

سَوْتٍ طَبَاقًا

سَبْحًا طَوِيلًا

عَلِيمٌ حَبِيرٌ

نَفْسٍ ظَلَمَتْ

سَحَابٌ ظَلَمَتْ

رَفْرَفٍ خُضِرٍ

ثَمَنًا قَلِيلًا

سُبُلًا فِجَاجًا

تَوَمَّا فَاسِقِينَ

كِرَامًا كَاتِبِينَ

رَسُولٍ كَرِيمٍ

فَتَحٌ قَرِيبٌ

يَا سَمِيعُ

100 بار रोजना जो पढे और इस दौरान गुफ्त-गू न करे
और पढ कर दुआ मांगे.

ان شاء الله عزوجل जो मांगेगा पायेगा.

(40 रुहानी इलाज, स. 7)

الْحَمْدُ لِلَّهِ رَبِّ الْعَالَمِينَ وَالصَّلَاةُ وَالسَّلَامُ عَلَى سَيِّدِ الْمُرْسَلِينَ
 أَنَا بَعْدُ فَأَعُوذُ بِاللَّهِ مِنَ الشَّيْطَانِ الرَّجِيمِ ط بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ ط

सभक नम्बर (13) : तशदीद

- ❖ तीन दन्दान “**ط**” वाली शकल को तशदीद कउते हें. जिस उई पर तशदीद उो उसे मुशदद कउते हें.
- ❖ मुशदद उई को दो मर्तबा पढ़ें अक मर्तबा अपने से पडले वाले मु-तउर्रिक उई से मिला कर और दूसरी मर्तबा भुद अपनी उ-र-कत के मुताबिक जरा रुक कर.
- ❖ नून मुशदद और भीम मुशदद में उमेशा गुन्ना उोता है गुन्ना के मा'ना नाक में आवाज ले जना है गुन्ना की भिकदार अक अलिफ के बराबर है
- ❖ जब उरुई कल्कला मुशदद उों तो उ-हें जमाव के साथ अदा करें.
- ❖ पडला उई मु-तउर्रिक, दूसरा उई साकिन और तीसरा उई मुशदद उो तो अकसर मर्तबा (उमेशा नही) साकिन उई को छोड देंगे और मु-तउर्रिक उई को मुशदद उई से मिला कर पढ़ेंगे जैसे **عَبَّئُمْ** (को **عَبَّئُمْ** पढ़ेंगे)
- ❖ इस सभक में तशदीद की भशक के साथ साथ उरुई करीबुस्सौत या'नी मिलती जुलती आवाज वाले उरुई में वाजेउ इक करें.

اَطَّ	اِطَّ	اَاطَّ	اُتَّ	اِتَّ	اَتَّ
اُذَّ	اِذَّ	اَاذَّ	اُزَّ	اِزَّ	اَزَّ
اُثَّ	اِثَّ	اَاثَّ	اُطَّ	اِطَّ	اَاطَّ
اُصَّ	اِصَّ	اَاصَّ	اُسَّ	اِصَّ	اَاصَّ
اُضَّ	اِضَّ	اَاضَّ	اُدَّ	اِادَّ	اَادَّ
اُتَّ	اِتَّ	اَاطَّ	اُلَّ	اِلَّ	اَلَّ

أَهَّ	إَهَّ	أَهَّ	أَهَّ	أَهَّ	أَهَّ
أَعَّ	إَعَّ	أَعَّ	أَعَّ	أَعَّ	أَعَّ
أَبَّ	إَبَّ	أَبَّ	أَبَّ	أَبَّ	أَبَّ
أَوَّ	إَوَّ	أَوَّ	أَوَّ	أَوَّ	أَوَّ
أَلَّ	إَلَّ	أَلَّ	أَلَّ	أَلَّ	أَلَّ
أَزَّ	إَزَّ	أَزَّ	أَزَّ	أَزَّ	أَزَّ
أَشَّ	إَشَّ	أَشَّ	أَشَّ	أَشَّ	أَشَّ
رَبَّ	رَبِّي	رَبِّي	رَبِّي	رَبِّي	رَبِّي
مِنَّا	مِنِّي	مِنِّي	مِنِّي	مِنِّي	مِنِّي
وَالْتَيْنِ	بِالتَّقْوَى	بِالتَّقْوَى	بِالتَّقْوَى	بِالتَّقْوَى	بِالتَّقْوَى
مُسَخَّرَاتٍ	صَدَقَ	تَصَدَّى	تَصَدَّى	تَصَدَّى	تَصَدَّى
الرَّحْمَنِ	نَزَلَ	فَسَنِّيئِرُهُ	فَسَنِّيئِرُهُ	فَسَنِّيئِرُهُ	فَسَنِّيئِرُهُ
فَضَلْنَا	وَالضُّحَى	وَالطُّورِ	وَالطُّورِ	وَالطُّورِ	وَالطُّورِ
لِلظَّالِمِينَ	سُعْرَتْ	يُوفَ	يُوفَ	يُوفَ	يُوفَ
وَالَّذِينَ	مِمَّا	أُمَّتِي	أُمَّتِي	أُمَّتِي	أُمَّتِي

يَذْكُرُ	سُيِّرَتْ	مُطَهَّرَةً	كُوِّرَتْ	وَالنَّجْمِ	وَالنُّشُطِ
يَسْتَعُونَ	عَلَى النَّبِيِّ	مُدَّثِرُ	مُزْمَلُ	ذُرِّيَّتِهِ	لِيَدَّبَّرُوا
شَرِّ النَّفْثِ	مَدَّ الظُّلُ	إِنَّ الظَّنَّ	مِنَ الطَّيِّبِ	يَزْكِي	عَلِيُّونَ
بَسَطَتْ	أَحَطْتُ	رَبِّ السَّمَوَاتِ	يَحِبُّ التَّوَابِينَ		
إِذْ ذَهَبَ	قَدْ دَخَلُوا	إِذْ ظَلَمُوا	عَبَدْتُمْ	قَدَّ تَبَيَّنَ	نَخْلَكُمْ

الْحَمْدُ لِلَّهِ رَبِّ الْعَالَمِينَ وَالصَّلَاةُ وَالسَّلَامُ عَلَى سَيِّدِ الْمُرْسَلِينَ
 إِنَّا نَعُوذُ بِاللَّهِ مِنَ الشَّيْطَانِ الرَّجِيمِ ط بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ ط

सप्तक नम्बर (14) : नून साकिन और तन्वीन (ईदगाम, ईकलाब)

❖ (3) **ईदगाम** : नून साकिन या तन्वीन के आ'द हुरक़े यर-मलून में से कोई हर्क़ आ जाअे तो ईदगाम होगा " **ا** और **م** " में बिगैर गुन्ना के और बाकी यार हुरक़ में गुन्ना के साथ. हुरक़े यर-मलून छ "6" हें और वोह येह हें : **ن . و . ل . م . ا**

❖ (4) **ईकलाब** : नून साकिन या तन्वीन के आ'द हर्क़ **ب** आ जाअे तो ईकलाब होगा या'नी नून साकिन और तन्वीन को भीम से बदल कर ईफ़्हा करें या'नी गुन्ना कर के पढ़ें.

❖ ईदगाम के छिज्जे ईस तरह करें जैसे **مَنْعِي** = **م** अबर **ن**, **مَنْعِي** = **م** अबर **ن** : **مَنْعِي** = **م** पेश **ن**, **مَنْعِي** = **م** पेश **ن**

❖ ईकलाब के छिज्जे ईस तरह करें जैसे **مَنْعِي** = **م** अबर **ن**, **مَنْعِي** = **م** अबर **ن** : **مَنْعِي** = **م** अबर **ن**, **مَنْعِي** = **م** अबर **ن**

مِنْ وَوَلِيٍّ	مِنْ يَوْمٍ	مِنْ وَرَقِ الْجَنَّةِ	مَنْ يَقُولُ
----------------	-------------	------------------------	--------------

مِنْ نُطْفَةٍ

مِنْ نَصِيرٍ

مِنْ مِّثْلِهِ

مِنْ مَّشْهَدٍ

يَكُنْ لَهُ

مِنْ لَدُنْهُ

مِنْ رَبِّهِمْ

مِنْ رَبِّكَ

وَجُودَهُ يَوْمَئِذٍ

هُدًى وَذِكْرَى

رَجُلٌ يَسْعَى

كِتَابًا يَلْقَاهُ

خَلَقَ نَعِيدُهُ

حِطَّةً نَنْفِرُ لَكُمْ

سِرَاجًا مُنِيرًا

بِرَحْمَةٍ مِنْهُ

وَيَلِ لِكُلِّ

مُصَدِّقًا لَهَا

رَعُوفٌ رَحِيمٌ

مُحَمَّدٌ رَسُولُ اللَّهِ

لِيُنَبِّذَنَّ

أَنْبِيَهُمْ

مِنْ أَيْقُلِهَا

مِنْ أَعْدٍ

كِرَامٍ بَرَرَةٍ

جَنَّةٍ بَرُورَةٍ

خَيْرٍ أَبْصِيرًا

قَوْلًا بَلِيغًا

صَمِّبُكُمْ

حِلٌّ بِهَذَا

الْحَمْدُ لِلَّهِ رَبِّ الْعَالَمِينَ وَالصَّلَاةُ وَالسَّلَامُ عَلَى سَيِّدِ الْمُرْسَلِينَ
أَمَّا بَعْدُ فَأَعُوذُ بِاللَّهِ مِنَ الشَّيْطَانِ الرَّجِيمِ ط بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ ط

सबक नम्बर (15) : भीम साकिन के क्वाँठ

❖ भीम साकिन के तीन काँठे हैं. (1) छँडगामे श-इवी (2) छँड्काअे श-इवी (3) छँड्कारे श-इवी

❖ (1) छँडगामे श-इवी : साकिन के आ'ँड हूसरी मीम आ जाअे तो साकिन में छँडगामे श-इवी छोगा या'नी गुन्ना करेंगे.

❖ (2) छँड्काअे श-इवी : साकिन के आ'ँड छई ब आ जाअे तो साकिन में छँड्काअे श-इवी छोगा या'नी गुन्ना करेंगे.

❖ (3) छँड्कारे श-इवी : साकिन के आ'ँड छई ब और म के छँडवा कोछ भी छई आ जाअे तो साकिन में

छँड्कारे श-इवी छोगा या'नी गुन्ना नछी करेंगे.

هُرْفِيهَا	كُنْتُمْ بِهِ	الْمَرَّةَ	أَنْتُمْ مُظْلِمُونَ
أَمْضَى	تَاتِيهِمْ بِآيَاتِهِ	وَالْأَمْرُ	وَلَكُمْ مَا كَسَبْتُمْ
وَأَمْطَرْنَا	عَلَيْكُمْ بِوَكِيلٍ	لَمْ يَلِدْ	أَتَيْتَكُمْ مِنْ كِتَابٍ
الْمَنْشُوحِ	تَزْمِيهِمْ بِجَارَةٍ	لَكُمْ دِينِكُمْ	فَهُمْ مُقْتَحُونَ
أَمْصِرْنَا	وَمَا هُمْ بِمُؤْمِنِينَ	وَخَلَقْنَاكُمْ أَزْوَاجًا	وَهُمْ مُعْرِضُونَ
عَلَيْهِمْ غَضَبٌ	بَعْضُكُمْ بِبَعْضٍ	ذَلِكَ قَوْلُكُمْ	لَهُمْ مِنَ الْحُسْنَى

الْحَمْدُ لِلَّهِ رَبِّ الْعَالَمِينَ وَالصَّلَاةُ وَالسَّلَامُ عَلَى سَيِّدِ الْمُرْسَلِينَ
 إِنَّا بَعْدُ قَاعُوذُ بِاللَّهِ مِنَ الشَّيْطَانِ الرَّجِيمِ ط بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ ط

सभक नम्बर (16) : तइभीम व तरकीक

- ❖ तइभीम के मा'ना उई को पुर या'नी मोटा पठना और तरकीक के मा'ना उई को बारीक पठना है.
- ❖ तीन उरुई **ता**, **ताम**, **ता** कभी पुर या'नी मोटे और कभी बारीक पठे जाते हैं.
- ❖ **ता** : अलिई से पडले अगर पुर उई आ जाअे तो अलिई को पुर और बारीक उई आ जाअे तो अलिई को बारीक पठें.
- ❖ **ताम** : एस्मे जलालत (عَزَّوَجَلَّ) **ता** के **ताम** से पडले उई पर जबर या पेश हो तो एस्मे जलालत (عَزَّوَجَلَّ) **ता** के **ताम** को पुर पठें और एस्मे जलालत (عَزَّوَجَلَّ) **ता** के **ताम** से पडले उई के नीचे जेर हो तो एस्मे जलालत (عَزَّوَجَلَّ) **ता** को बारीक पठें.
- ❖ एस्मे जलालत (عَزَّوَجَلَّ) **ता** के **ताम** के एलावा बाकी तमाम **ताम** बारीक पठें.
- ❖ **ता** को पुर पठने की सूरतें : **ता** पर जबर या पेश हो **ता** पर दो जबर या दो पेश हों, **ता** पर अडा जबर हो,

ح ساकिन से पहले उर्क पर उभर या पेश हो, ح साकिन से पहले आरिजी उेर हो, ح साकिन से पहले उेर दूसरे कलिमे में हो, ح साकिन के बा'द उरुके मुस्ता'विया में से कोई उर्क उसी कलिमे में हो.

❖ **ح** को जारीक पढने की सूरतें : **ح** के नीचे उेर या हो उेर हों, **ح** साकिन से पहले उेर अस्की उसी कलिमे में हो, **ح** साकिन से पहले **ح** साकिना हो.

































❖ **आरिजी ह-र-कत** : कुरआने पाक में बा'ज कलिमात अलिफ़ से शुरुअ होते हैं और अलिफ़ पर कोई ह-र-कत नहीं होती उन अलिफ़ पर जो भी ह-र-कत लगा कर पढ़ेंगे वोह ह-र-कत आरिजी होगी जैसे **ح** के अलिफ़ के नीचे उेर आरिजी है.

नोट : अेक ही कलिमे में **ح** साकिन से पहले उेर अस्की हो और उस के बा'द उर्क मुस्ता'विया हो तो **ح** साकिन को पुर पढ़ेंगे जैसे **مَصَادٍ**

مَفَازًا	مَالًا	كَانَ	سِرَاجًا	صِرَاطٌ	قَالَ
طَعَامٍ	غَاسِقٍ	عَابِدٌ	خَالِدًا	تَابُوا	طَابٌ
مِنَ اللَّهِ	هُوَ اللَّهُ	إِنَّ اللَّهَ	فَاللَّهُ	وَاللَّهُ	اللَّهُ
بِسْمِ اللَّهِ	بِاللَّهِ	بِاللَّهِ	قَالُوا اللَّهُمَّ	رَضِيَ اللَّهُ	رَسُولُ اللَّهِ
صَلْوَةً	عَلَى	إِنَّ الَّذِينَ	إِلَّا الَّذِينَ	مَاوَلَهُمْ	قُلِ اللَّهُمَّ
أَجْرٌ	أَجْرًا	أَكْثَرُ	رَزِقُوا	أَلَمْ تَرَ	رَجُلٌ
إِرْجِعْ	يُرْزِقُونَ	تُرْجِعُونَ	أَمْ صَبْرُنَا	عَرْشُ	إِبْرَاهِيمَ
إِنْ أَرْتَبْتُمْ	رَبِّ ارْجِعُونَ	رَبِّ ارْجِعْهُمَا	إِرْكَعُوا	إِرْجِعِي	إِرْجِعُوا
وَالنَّهَارِ	فِي قِرْطَابِيسَ	مِرْصَادٍ	فِرْقَةٍ	كُلُّ فِرْقٍ	أَمْ أَرْتَابُوا
نَذِيرٌ	خَيْرٌ	قُمْ فَانذِرْ	فَاصْبِرْ	أَمْرٍ	رِجَالٌ

الْحَمْدُ لِلَّهِ رَبِّ الْعَالَمِينَ وَالصَّلَاةُ وَالسَّلَامُ عَلَى سَيِّدِ الْمُرْسَلِينَ
 إِنَّا نَعُوذُ بِاللَّهِ مِنَ الشَّيْطَانِ الرَّجِيمِ ط بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ ط

सभक नम्बर (17) : मदात

- ❖ मदा के मा'ना दराज करना और भीयना है. मदा के दो सभब हैं (1) उम्मा  (2) सुकून 
- ❖ मदा की छ^० अक्साभ हैं. (1) मदे मुत्तसिल (2) मदे मुन्फसिल (3) मदे लाजिम (4) मदे लीन लाजिम (5) मदे आरिज (6) मदे लीन आरिज
- ❖ (1) मदे मुत्तसिल : छुड़के मदा के भा'द उम्मा उसी कविमे में छो तो मदे मुत्तसिल छोगा. जैसे 
- ❖ (2) मदे मुन्फसिल : छुड़के मदा के भा'द उम्मा दूसरे कविमे में छो तो मदे मुन्फसिल छोगा. जैसे 
- ❖ मदे मुत्तसिल और मदे मुन्फसिल को “दो, अढाई अविङ्ग” या'नी “थार या पांय छ-रकात” की भिकदार तक भीय कर पठें.
- ❖ (3) मदे लाजिम : छुड़के मदा के भा'द सुकूने अस्वी () छो तो मदे लाजिम छोगा. जैसे 
- ❖ (4) मदे लीन लाजिम : छुड़के लीन के भा'द सुकूने अस्वी () छो तो मदे लीन लाजिम छोगा. जैसे 
- ❖ मदे लाजिम और मदे लीन लाजिम को “तीन अविङ्ग” या'नी “छ^० छ-रकात” की भिकदार तक भीय कर पठें.
- ❖ (5) मदे आरिज : छुड़के मदा के भा'द आरिजी सुकून छो (या'नी वक्क की वजह से कोई छई साकिन छो जअे) तो मदे आरिज छोगा. जैसे 
- ❖ (6) मदे लीन आरिज : छुड़के लीन के भा'द आरिजी सुकून छो (या'नी वक्क की वजह से कोई छई साकिन छो जअे) तो मदे लीन आरिज छोगा. जैसे 
- ❖ मदे आरिज और मदे लीन आरिज को “अेक, दो या तीन अविङ्ग” या'नी “दो, थार या छ^० छ-रकात” की भिकदार तक भीय कर पठें.
- ❖ मदात के छिजजे छस तरह करें जैसे  :  =  ,  =   ,  :  =  ,  =    :   =  ,  =     

جَاءَ	جَاءِي	وَالْحَمْدُ	سَيِّئَتْ	أَوْلِيَاكَ	حَدَائِقَ
قُرُوءَ	أَوْلِيَاءَ	بِمَآئِزِلَ	قَالُوا أَمَّا	يَارِضُ	هَؤُلَاءِ

يَبْنَئِ اسْرَائِيْلَ	ضَالًّا	دَابَّةٍ	الْسِّنَ	الذَّاكِرِيْنَ
جَانُ	مُدْهَامَتِيْنَ	اَتْحَابُوْنِيْ	كَافَّةً	الْحَاثَّةُ
حَاجُوْكَ	وَحَاجَةٌ	تَحْضُوْنَ	يُحَادُّوْنَ	اَنْ يَّتَمَاسَا
يَاوَلِيْ الْاَلْبَابِ	يَتَسَاءَلُوْنَ	رَبِّ الْعَلَمِيْنَ	خَوْفٍ	قُرَيْشٍ

اَلْحَمْدُ لِلّٰهِ رَبِّ الْعَالَمِيْنَ وَالصَّلٰوةُ وَالسَّلَامُ عَلٰى سَيِّدِ الْمُرْسَلِيْنَ
 اَنَا بَعْدُ فَاَعُوْذُ بِاللّٰهِ مِنَ الشَّيْطٰنِ الرَّجِيْمِ ط بِسْمِ اللّٰهِ الرَّحْمٰنِ الرَّحِيْمِ ط

समक नम्बर (18) : छुइके मुक्तआत

- ✽ छुइके मुक्तआत कुरआने पाक की भा'ज सूरतों के शुइअ में आते हैं.
- ✽ धन छुइके को मुइरद छुइके की तरड अलग अलग धस तरड पढ़े के मदात की मिकदार पूरी अदा हो नीज धइइ व धदगाम आने की सूरत में गुन्ना ली करें.
- ✽ **اَلْفَ لَامِ مِيْمٍ** को पढ़ने के दो तरीके हैं (1) **اَلْفَ لَامِ مِيْمِ اللّٰهِ**

ص	ق	ن	طه
صَادَّ	قَافٌ	نُّوْنٌ	طَاهَا
يس	طس	حم	الر
يَاسِيْنَ	طَاسِيْنَ	حَامِيْمٌ	اَلْفَ لَامِ رَا
الم	المز	حم	عسق
اَلْفَ لَامِ مِيْمٍ	اَلْفَ لَامِ مِيْمِ رَا	حَامِيْمٌ	عَيْنُ سِيْنِ قَافٌ

كَهَيِّعَصْ
كَافْ هَايَاعَيْنْ صَادْ

اَلَمْ اَللّٰهُ
اَلِفْ لَامْ مِيْمٌ اَللّٰهُ

اَلْبَصْ
اَلِفْ لَامْ مِيْمٌ صَادْ

طَسَمَ
طَايِسَيْنْ مِيْمٌ

اَلْحَمْدُ لِلّٰهِ رَبِّ الْعَالَمِيْنَ وَالصَّلٰوةُ وَالسَّلَامُ عَلٰى سَيِّدِ الْمُرْسَلِيْنَ
اِنَّا بَعْدُ قَاعُوْدٌ بِاللّٰهِ مِنَ الشَّيْطٰنِ الرَّجِيْمِ ط بِسْمِ اللّٰهِ الرَّحْمٰنِ الرَّحِيْمِ ط

समक नम्बर (19): आर्ध अलिङ्ग

✳ कुरआने पाक में बा'ज जगह अलिङ्ग पर गोल दाअेरा "O" बना डोता डे. अैसे अलिङ्ग को "आर्ध अलिङ्ग" कहते डें. ँस अलिङ्ग को पढने या न पढने की तफ्सील येड डें :

(1)..... ँन ँध कलिमात में "आर्ध अलिङ्ग" को वकङ्ग (या'नी रुकने की सूरत) में पढेंगे लेकन वस्व (या'नी मिला कर पढने की सूरत) में नडीं पढेंगे.

اَنَا ۴۲ (जगड)
قَوَارِيْرًا ۲۹ (سورة الدهر، ۱۵)
السَّبِيْلًا ۲۲ (الاحزاب، ۶۷)
الرَّسُوْلًا ۲۲ (الاحزاب، ۶۶)
الظُّنُوْنًا ۲۱ (الاحزاب، ۱۰)
لِكِنَّا ۱۵ (الكهف، ۳۸)

(2)..... कुरआने पाक के ँस अक कलिमे "سَلَسِلًا (سورة الدهر، ۴)" के "आर्ध अलिङ्ग" को वकङ्ग में पढना और न पढना डोनों जगड डें. अवडत्ता वस्व में ँस आर्ध अलिङ्ग को नडीं पढेंगे.

(3)..... ँन तमाम कलिमात में आर्ध अलिङ्ग को वस्वन (या'नी मिला कर पढने की सूरत में) और वकङ्ग (या'नी रुकने की सूरत में) डोनों अ'तिबार से नडीं पढेंगे.

لَا اِلٰهَ اِلَّا اللّٰهُ ۴ (ال عمران، ۱۵۸)
اَفَايْنُ مَاتَ ۱۷ (الانبیاء، ۳۴)
لَا اَوْضَعُوْا ۱۰ (التوبة، ۴۷)
اَنْ تَبُوْءَا ۶ (المائدة، ۲۹)
وَمَلٰٓئِمُهُمْ ۱۱ (يونس، ۸۳)
مِنْ نَّبَآئِ ۷ (الانعام، ۳۴)
لَا اَذْبَحْتُهُ ۱۹ (النمل، ۲۱)
لِيُرِيُوْا ۲۱ (الروم، ۳۹)
لَنْ نَّدْعُوْا ۱۵ (الكهف، ۱۴)
لِتَتْلُوْا ۱۳ (الرعد، ۳۰)
ثُبُوْدًا ۲۰ (العنكبوت، ۳۸) / ۱۲ (هود، ۶۸)
۱۹ (الفرقان، ۳۸) / ۲۷ (النجم، ۵۱)
قَوَارِيْرًا (۴) ۱۶ (الدهر، ۲۹)
وَنَبُوْا ۲۶ (محمد، ۳۱)
لِيَبُوْا ۲۶ (محمد، ۴)

(4).... ઈન તમામ કલિમાત કે લફ્ઝે “اَنَا” में जाईए अलिफ़ नही है लिहाजा इस अलिफ़ को पढ़ेंगे.

مَنْ أَنَابَ

پ ۱۳، الرعد، ۲۷
پ ۲۱، لقمن، ۱۵

لِلْأَنَامِ

پ ۲۷، الرحمن، ۱۰

أَنَابُوا

پ ۲۳، الزمر، ۱۷

أَنَاسِيَّ

پ ۱۹، الفرقان، ۴۹

عَلَيْكُمْ الْإِنَامِلَ

پ ۴، ال عمران، ۱۱۹

الْحَمْدُ لِلَّهِ رَبِّ الْعَالَمِينَ وَالصَّلَاةُ وَالسَّلَامُ عَلَى سَيِّدِ الْمُرْسَلِينَ
أَنَا بَعْدَ قَاعُوذٍ بِاللَّهِ مِنَ الشَّيْطَانِ الرَّجِيمِ ط بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ ط

सभक नम्बर (20) : मु-तडरिंक क्वाईए

✳ **छाछारे मुत्तक :** ઈન ચાર કલિમાત મેં નૂન સાકિન કે બા'દ હુરૂફે યર-મલૂન એક કલિમે મેં આને કી વજહ સે ઈદગામ નહીં બલકે ઈઝહારે મુત્તક હોગા ઈસ લિયે ઈન ચારોં કલિમાત મેં ગુન્ના ન કરેં.

قِنَوَانِ

صِنَوَانِ

بُنْيَانِ

دُنْيَا

✳ **સક્તા :** આવાઝ રોક કર સાંસ લિયે બિગૈર આગે પઢને કો સક્તા કહતે હેં યા'ની આવાઝ રુક જાએ ઓર સાંસ જારી રહે. ઈન ચાર કલિમાત મેં સક્તા વાજિબ હે. સક્તા કા હુકમ યેહ હે કે મુ-તડરિંક કો સાકિન કિયા જાએ ઓર દો ઝબર કો અલિફ સે બદલ કર પઢા જાએ.

عَوَجًا قَيْبًا

پ ۱۵، الكهف، ①

مِنْ مَرْقَدِنَا هَذَا

پ ۲۳، يس، ⑤۲

كَلَابِلٍ سَكْتَةٍ رَانَ

پ ۳۰، المطففين، ①۳

وَقِيلَ مَنْ رَاقٍ

پ ۲۹، القيمة، ②۴

✳ **ص :** કુરઆને પાક મેં ચાર કલિમાત سے લિખે જાતે હેં ઓર صَاد પર બારીક સિંચે ભી લિખા હોતા હે ઈન કે પઢને કી તફસીલ ઈસ તરહ હે : (1) ઓર (2) મેં સિફ સ પઢે, (3) મેં સ ઓર સ દોનોં પઢના જાઈઝ હે, (4) મેં સિફ સ પઢે.

بِصْطِرٍ

پ ۳۰، الغاشية، ②۲

أَمْهُمْ الْبَصِطِرُونَ

پ ۲۴، الطور، ③۴

بِصْطَةٍ

پ ۸، الاعراف، ②۹

يَبْصُطُ

پ ۲، البقرة، ②۳۵

❖ **तस्वील** : तस्वील के मा'ना हैं **नरमी करना** या'नी दूसरे उम्मा को नरमी के साथ पढ़ें। कुरआने पाक में सिर्फ़ एक कलिमे में तस्वील वाजिब है।

❖ **धमालह** : ज़बर को ज़ेर की तरफ़ और **الف** को **ل** की तरफ़ भाँल कर के पढ़ने को धमालह कहते हैं। धमालह की **ل** को उर्दू के लफ़्ज़ कतरे की **ل** की तरफ़ पढ़ें या'नी **ل** नहीं बल्के **ل** पढ़ें।

❖ धमालह के डिजाजे धस तरह करे **مَجْرَهَا** = **مَجْرَهَا**, **مَجْرَهَا** = **مَجْرَهَا**, **مَجْرَهَا** = **مَجْرَهَا**, **مَجْرَهَا** = **مَجْرَهَا**

❖ धमालह के डिजाजे धस कलिमे में **ل** से पहले और **ل** के आ'द दोनों **الف** न पढ़ें बल्के **ل** को ज़ेर दे कर पढ़ें।

بِسْمِ الْإِسْمِ الْفُسُوقِ

प २६, الحجرات ११

مَجْرَهَا

प १२, हुद ३१

عَاجِبِي وَعَرَبِي

प २३, حم السجده ३३

الْحَمْدُ لِلَّهِ رَبِّ الْعَالَمِينَ وَالصَّلَاةُ وَالسَّلَامُ عَلَى سَيِّدِ الْمُرْسَلِينَ
أَنَا بَعْدُ فَأَعُوذُ بِاللَّهِ مِنَ الشَّيْطَانِ الرَّجِيمِ ط بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ ط

सभक नम्बर (21) : वक़्फ़

❖ **वक़्फ़** : वक़्फ़ के मा'ना **ठहरने** और **रुकने** के हैं। या'नी जिस कलिमे पर वक़्फ़ करे तो उस कलिमे के आबिरी उर्दू पर आवाज़ और सांस दोनों को भत्म कर दें।

❖ कलिमे के आबिरी उर्दू पर **ज़बर**, **ज़ेर**, **पेश**, **दो ज़ेर**, **दो पेश**, **भडा ज़ेर**, **उलटा पेश** हो तो उस उर्दू को वक़्फ़ में साकिन कर दें।

❖ कलिमे के आबिरी उर्दू पर **दो ज़बर** हों तो उन्हे वक़्फ़ में **अलिफ़** से बदल दें।

❖ कलिमे के आबिरी में **गोव** **و** पर ज्वाह कोई ली उ-र-कत हो या तन्वीन उसे वक़्फ़ में **و** साकिन **و** से बदल दें।

❖ **भडा ज़बर**, **धुइके मदा** और **साकिन उर्दू वक़्फ़** में तब्दील नहीं होते।

❖ **मुशदद उर्दू** पर वक़्फ़ की सूरत में **तश्दीद** **बाकी रभे** मगर उ-र-कत को जाहिर न होने दें।

❖ **नून कुत्नी** : तन्वीन के आ'द उम्माये वस्वी आ जाये तो वस्व में उम्माये वस्वी को गिराते हुअे तन्वीन के नून साकिन को ज़ेर दे कर अक छोटा सा नून लिख दिया जाता है धसे नून कुत्नी कहते हैं।

قُوَّةٌ ط قُوَّةٌ ط	رَقَبَةٌ رَقَبَةٌ	جَارِيَةٌ جَارِيَةٌ	وَتَوَلَّى وَتَوَلَّى	مِنَ الْأُولَى مِنَ الْأُولَى	فَتَرْضَى فَتَرْضَى
وَالْحَرُّ وَالْحَرُّ	فَارْعَبُ فَارْعَبُ	فَحَدِيثُ فَحَدِيثُ	فِيهَا ط فِيهَا ط	تَهْتَدُوا تَهْتَدُوا	قَوْلِي قَوْلِي
خَيْرًا ط خَيْرًا ط	شِيْبًا ط شِيْبًا ط	مُنِيْبًا ط مُنِيْبًا ط	أَدْخُلُوهَا أَدْخُلُوهَا	مُنِيْبًا ط مُنِيْبًا ط	أَدْخُلُوهَا أَدْخُلُوهَا
مُيِّنًا ط مُيِّنًا ط	قَدِيرًا ط قَدِيرًا ط	خَيْرًا ط خَيْرًا ط	الَّذِي الَّذِي	قَدِيرًا ط قَدِيرًا ط	الَّذِي الَّذِي

الْحَمْدُ لِلَّهِ رَبِّ الْعَالَمِينَ وَالصَّلَاةُ وَالسَّلَامُ عَلَى سَيِّدِ الْمُرْسَلِينَ
أَمَا بَعْدُ فَأَعُوذُ بِاللَّهِ مِنَ الشَّيْطَانِ الرَّجِيمِ ط بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ ط

सभक नम्बर (22) : नमाज

- ✽ इस सभक को छिज्जे ओर रवां दानों तरीकों से पढ़ें.
- ✽ इस सभक में भी पिछले तमाम अस्बाक के क्वाँरठ और हुइइ की अदाअगी का भास भयाल रभें
भिल भुसूस हुइइ करीभुसूसौत या'नी मिलती जुलती आवाज वाले हुइइ में वाजेइ इर्क करें.
- ✽ याद रभिये ! इन हुइइ में इर्क न करने की वजह से अगर मा'ना इंसिद हो गये तो नमाज न होगी.

✽ तक्बीरे तहरीमा : اللَّهُ أَكْبَرُ

✽ सना : سُبْحَانَكَ اللَّهُمَّ وَبِحَمْدِكَ وَتَبَارَكَ اسْمُكَ وَتَعَالَى جَدُّكَ وَلَا إِلَهَ غَيْرُكَ

✽ तअवुज : أَعُوذُ بِاللَّهِ مِنَ الشَّيْطَانِ الرَّجِيمِ

❖ तस्मिन्नेह : بِسْمِ اللّٰهِ الرَّحْمٰنِ الرَّحِیْمِ ۝

❖ सू-रतुल इतिहा :

الْحَمْدُ لِلّٰهِ رَبِّ الْعٰلَمِیْنَ ۝ الرَّحْمٰنِ الرَّحِیْمِ ۝ مَلِكِ یَوْمِ الدِّیْنِ ۝
اِیَّاكَ نَعْبُدُ وَاِیَّاكَ نَسْتَعِیْنُ ۝ اِهْدِنَا الصِّرَاطَ الْمُسْتَقِیْمَ ۝ صِرَاطَ الَّذِیْنَ
اَنْعَمْتَ عَلَیْهِمْ ۝ غَیْرِ الْمَغْضُوْبِ عَلَیْهِمْ وَلَا الضَّالِّیْنَ ۝ اٰمِیْن

❖ सू-रतुल ध्वलास : بِسْمِ اللّٰهِ الرَّحْمٰنِ الرَّحِیْمِ ۝

قُلْ هُوَ اللّٰهُ اَحَدٌ ۝ اللّٰهُ الصَّمَدُ ۝ لَمْ یَلِدْ ۝ لَمْ یُولَدْ ۝ وَلَمْ یَكُنْ لَهٗ كُفُوًا اَحَدٌ ۝

❖ तस्मीहे रुद्रुः : سُبْحٰنَ رَبِّیَ الْعَظِیْمِ ۝

❖ तस्मीअ : سَمِعَ اللّٰهُ لِمَنْ حَمِدَهُ ۝

❖ तद्मीए : رَبَّنَا وَلَكَ الْحَمْدُ ۝

❖ तस्मीहे सध्दा : سُبْحٰنَ رَبِّیَ الْاَعْلٰی ۝

❖ तशद्दुए : اَلْحَمْدُ لِلّٰهِ وَالصَّلٰوةُ وَالطَّیْبَةُ السَّلَامُ عَلَیْكَ اَیُّهَا النَّبِیُّ
وَرَحْمَةُ اللّٰهِ وَبَرَكَاتُهُ ۝ السَّلَامُ عَلَیْنَا وَعَلٰی عِبَادِ اللّٰهِ الصَّالِحِیْنَ ۝
اَشْهَدُ اَنْ لَا اِلٰهَ اِلَّا اللّٰهُ ۝ وَاَشْهَدُ اَنْ مُحَمَّدًا عَبْدُهُ وَرَسُوْلُهُ ۝

﴿ ۱ ﴾ **دُرّے صبراہیم :** اَللّٰهُمَّ صَلِّ عَلٰی مُحَمَّدٍ وَعَلٰی اٰلِ مُحَمَّدٍ كَمَا صَلَّيْتَ عَلٰى اِبْرٰهِيْمَ وَعَلٰى اٰلِ اِبْرٰهِيْمَ اِنَّكَ حَبِيْبٌ مَّجِيْدٌ ۝ اَللّٰهُمَّ بَارِكْ عَلٰى مُحَمَّدٍ وَعَلٰى اٰلِ مُحَمَّدٍ كَمَا بَارَكْتَ عَلٰى اِبْرٰهِيْمَ وَعَلٰى اٰلِ اِبْرٰهِيْمَ اِنَّكَ حَبِيْبٌ مَّجِيْدٌ ۝

﴿ ۲ ﴾ **دُعا اے ماسورا :** اَللّٰهُمَّ رَبِّ اجْعَلْنِيْ مُقِيْمًا الصَّلٰوةِ وَمِنْ ذُرِّيَّتِيْ ۝ رَبَّنَا وَتَقَبَّلْ دُعَاۙ رَبَّنَا اغْفِرْ لِيْ وَلِوَالِدِيْ وَلِلْمُؤْمِنِيْنَ يَوْمَ يَقُوْمُ الْحِسَابُ ۝

﴿ ۳ ﴾ **سلام :** اَلسَّلَامُ عَلَیْكُمْ وَرَحْمَةُ اللّٰهِ ۝

﴿ ۴ ﴾ **دُعا اے کونٹ :** اَللّٰهُمَّ اِنَّا سَتَعَيْنُكَ وَنَسْتَغْفِرُكَ وَنُؤْمِنُ بِكَ وَنَتَوَكَّلُ عَلَیْكَ وَنُشْفِيْ عَلَیْكَ الْبُرُوْءَ وَنَشْكُرُكَ وَلَا نَكْفُرُكَ وَنَخْلَعُ وَنَتْرُكُ مَنْ يَفْجُرُكَ ۝ اَللّٰهُمَّ اِنَّا كُنَّا نَعْبُدُ وَاِلٰكَ نَصَلِّيْ وَنَسْجُدُ وَاِلَيْكَ نَسْتَعِيْزُ وَنَخْفَى وَنَرْجُو رَحْمَتَكَ وَنَخْشَى عَذَابَكَ اِنَّ عَذَابَكَ بِالْكَفٰرِ لَشَدِيْدٌ ۝

اِنَّ اللّٰهَ وَمَلَائِكَتَهُ يُصَلُّوْنَ عَلٰى النَّبِيِّ يَا أَيُّهَا الَّذِيْنَ اٰمَنُوا صَلُّوا عَلَيْهِ وَسَلِّمُوا تَسْلِيْمًا ۝

اَللّٰهُمَّ صَلِّ عَلٰى سَيِّدِنَا وَمَوْلَانَا مُحَمَّدٍ مِّنَ الْجُودِ وَالْكَرَمِ وَالِدِيْو بَارِكْ وَسَلِّمْ ۝

الْحَمْدُ لِلَّهِ رَبِّ الْعَالَمِينَ وَالصَّلَاةُ وَالسَّلَامُ عَلَى سَيِّدِ الْمُرْسَلِينَ
أَمَّا بَعْدُ فَأَعُوذُ بِاللَّهِ مِنَ الشَّيْطَانِ الرَّجِيمِ ط بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ ط

सुवाल व जवाब

सुवाल नं. 1 हुर्के मुर्दात कितने हैं? सभक नम्बर 1

जवाब हुर्के मुर्दात 29 हैं.

सुवाल नं. 2 हुर्के मुस्ता'लिया कितने हैं और कौन कौन से हैं? सभक नम्बर 1

जवाब हुर्के मुस्ता'लिया सात हैं और वोड येड हैं - **خ ، ص ، ض ، ط ، ظ ، غ ، ق**

सुवाल नं. 3 हुर्के मुस्ता'लिया को कैसे पढते हैं और धन का मजमूआ क्या है? सभक नम्बर 1

जवाब हुर्के मुस्ता'लिया को उमेशा उर डालत में पुर या'नी मोटा पढते हैं और धन का मजमूआ **حُصْنٌ مَنْطِقٌ** है.

सुवाल नं. 4 डोंटों से अदा छोने वाले हुर्क कितने हैं और कौन कौन से हैं? सभक नम्बर 1

जवाब डोंटों से अदा छोने वाले हुर्क यार हैं. **ب ، ف ، م ، و**

सुवाल नं. 5 हुर्के सफीरिया या'नी सीटी वाले हुर्क कितने हैं और कौन कौन से हैं? सभक नम्बर 1

जवाब हुर्के सफीरिया या'नी सीटी वाले हुर्क तीन हैं. **ز ، س ، ص**

सुवाल नं. 6 उ-रकात किसे कडते हैं? सभक नम्बर 3

जवाब जभर **---**, जेर **---** पेश **---** को उ-रकात कडते हैं.

सुवाल नं. 7 उ-रकात को किस तरड पढेंगे? सभक नम्बर 3

जवाब उ-रकात को बिगैर भीये, बिगैर जटका दिये मा'र्क पढेंगे.

सुवाल नं. 8 हुर्के करीबुस्सौत कितने हैं और कौन कौन से हैं? सभक नम्बर 4

जवाब हुर्के करीबुस्सौत सोलड "16" हैं. (ع،ء)،(ح،ه)،(ك،ق)،(د،ذ)،(س،ص)،(ث،س)،(ظ،ز)،(ط،ت)

सुवाल नं. 9 तन्वीन किसे कडते हैं? सभक नम्बर 5

जवाब दो जभर **---**, दो जेर **---**, और दो पेश **---** को तन्वीन कडते हैं. तन्वीन नून साकिन डोता है जो कलिमे के आभिर में आता है ँस लिये तन्वीन की आवाज नून साकिन की तरड डोती है.

सुवाल नं. 10 हुर्के मदा कितने हैं और कौन कौन से हैं? सभक नम्बर 7

જવાબ

હુરફે મદા ત્રીન હેં ઓર વોહ યેહ હેં **يَا ، وَاوْ ، يَا**

સુવાલ નં. 11

اَلْف મદા, **وَاوْ** મદા ઓર **يَا** મદા કબ હોગા?

સબક નમ્બર 7

જવાબ

اَلْف સે પહલે ઝબર હો તો **اَلْف** મદા, **وَاوْ** સાકિન સે પહલે પેશ હો તો **وَاوْ** મદા, **يَا** સાકિન સે પહલે ઝેર હો તો **يَا** મદા હોગા.

સુવાલ નં. 12

હુરફે મદા કો કેસે પઢતે હેં?

સબક નમ્બર 7

જવાબ

હુરફે મદા કો એક અલિફ યા'ની દો હ-રકાત કે બરાબર ખીંચ કર પઢતે હેં.

સુવાલ નં. 13

ખડી હ-રકાત કિસે કહતે હેં?

સબક નમ્બર 8

જવાબ

ખડે ઝબર **ا**, ખડે ઝેર **ا** ઓર ઉલટે પેશ **ا** કો ખડી હ-રકાત કહતે હેં.

સુવાલ નં. 14

ખડી હ-રકાત કો કેસે પઢતે હેં?

સબક નમ્બર 8

જવાબ

ખડી હ-રકાત કો હુરફે મદા કી તરહ એક અલિફ યા'ની દો હ-રકાત કે બરાબર ખીંચ કર પઢતે હેં.

સુવાલ નં. 15

હુરફે લીન કિતને હેં ઓર કૌન કૌન સે હેં?

સબક નમ્બર 9

જવાબ

હુરફે લીન દો હેં **وَاوْ** ઓર **يَا**.

સુવાલ નં. 16

હુરફે લીન કો કિસ તરહ પઢતે હેં?

સબક નમ્બર 9

જવાબ

હુરફે લીન કો બિગૈર ખીંચે બિગૈર ઝટકા દિયે નરમી સે મા'રફ પઢતે હેં.

સુવાલ નં. 17

وَاوْ લીન ઓર **يَا** લીન કબ હોગા?

સબક નમ્બર 9

જવાબ

وَاوْ સાકિન સે પહલે ઝબર હો તો **وَاوْ** લીન ઓર **يَا** સાકિન સે પહલે ઝબર હો તો **يَا** લીન હોગા.

સુવાલ નં. 18

કલ્કલા કે ક્યા મા'ના હેં?

સબક નમ્બર 11

જવાબ

કલ્કલા કે મા'ના જુમ્બિશ ઓર હ-ર-કત કે હેં યા'ની ઈન હુરફે કે અદા હોતે વક્ત મખરજ મેં જુમ્બિશ સી હોતી હૈ જિસ કી વજહ સે આવાઝ લૌટતી હુઈ નિકલતી હૈ.

સુવાલ નં. 19

હુરફે કલ્કલા કિતને હેં, કૌન કૌન સે હેં ઓર ઈન કા મજમૂઆ ક્યા હૈ?

સબક નમ્બર 11

જવાબ

હુરફે કલ્કલા પાંચ હેં ઓર વોહ યેહ હેં **ق ، ط ، ب ، ج ، د** હુરફે કલ્કલા કા મજમૂઆ **قُطْبُ جِي** હૈ.

સુવાલ નં. 20

હુરફે કલ્કલા મેં કબ કલ્કલા ખૂબ ઝાહિર હોગા?

સબક નમ્બર 11

જવાબ

જબ હુરફે કલ્કલા સાકિન હોં તો ઉન મેં કલ્કલા ખૂબ ઝાહિર હોગા.

સુવાલ નં. 21

અગર કલ્કલા હુરફે મુશદ્દ હોં તો ઉ-હેં કેસે પઢેંગે?

સબક નમ્બર 11

જવાબ

જબ કલ્કલા હુરફે મુશદદ હોં તો ઉન્હેં જમાવ કે સાથ અદા કરેંગે.

સુવાલ નં. 22

હમ્જએ સાકિના (ء ا) કો કેસે પહેંગે?

સબક નમ્બર 11

જવાબ

હમ્જએ સાકિના (ء ا) કો હમેશા ઝટકા દે કર પહેંગે.

સુવાલ નં. 23

નૂન સાકિન ઓર તન્વીન કે કિતને કાઈદે હેં ઓર કૌન કૌન સે હેં?

સબક નમ્બર 12

જવાબ

નૂન સાકિન ઓર તન્વીન કે ચાર કાઈદે હેં ઓર વોહ યેહ હેં ઈઝહાર, ઈખ્ફા, ઈદગામ, ઈક્લાબ

સુવાલ નં. 24

ઘઝઝાર કા કાઈદા સુનાએં?

સબક નમ્બર 12

જવાબ

નૂન સાકિન ઓર તન્વીન કે બા'દ હુરફે હલ્કી મેં સે કોઈ હર્ફ આ જાએ તો ઈઝહાર હોગા યા'ની નૂન સાકિન ઓર તન્વીન મેં ગુન્ના નહીં કરેંગે.

સુવાલ નં. 25

હુરફે હલ્કી કિતને હેં ઓર કૌન કૌન સે હેં?

સબક નમ્બર 12

જવાબ

હુરફે હલ્કી છ' હેં ઓર વોહ યેહ હેં - خ , غ , ح , ع , ه , ..

સુવાલ નં. 26

ઘખ્ફા કા કાઈદા સુનાએં?

સબક નમ્બર 12

જવાબ

નૂન સાકિન ઓર તન્વીન કે બા'દ હુરફે ઈખ્ફા મેં સે કોઈ હર્ફ આ જાએ તો ઈખ્ફા હોગા યા'ની નૂન સાકિન ઓર તન્વીન મેં ગુન્ના કર કે પહેંગે.

સુવાલ નં. 27

હુરફે ઈખ્ફા કિતને હેં ઓર કૌન કૌન સે હેં?

સબક નમ્બર 12

જવાબ

હુરફે ઈખ્ફા પન્દરહ હેં ઓર વોહ યેહ હેં

ت , ث , ج , د , ذ , ز , س , ش , ص , ض , ط , ظ , ف , ق , ک -

સુવાલ નં. 28

તશદીદ કિસે કહતે હેં ઓર તશદીદ વાલે હર્ફ કો કયા કહતે હેં?

સબક નમ્બર 13

જવાબ

તીન દન્દાન ؤ વાલી શકલ કો તશદીદ કહતે હેં જિસ હર્ફ પર તશદીદ હો ઉસે મુશદદ કહતે હેં.

સુવાલ નં. 29

નૂન મુશદદ ઓર મીમ મુશદદ મેં કયા હોગા?

સબક નમ્બર 13

જવાબ

નૂન મુશદદ ઓર મીમ મુશદદ મેં હમેશા ગુન્ના હોગા?

સુવાલ નં. 30

ગુન્ના કિસે કહતે હેં ઓર ઈસ કી મિકદાર કયા હેં?

સબક નમ્બર 13

જવાબ

નાક મેં આવાઝ લે જા કર પઠને કો ગુન્ના કહતે હેં ગુન્ના કી મિકદાર એક અલિફ કે બરાબર હેં.

સુવાલ નં. 31

મુશદદ હર્ફ કો કિસ તરહ પહેંગે?

સબક નમ્બર 13

જવાબ

મુશદદ હર્ફ કો દો² મર્તબા પઢેંગે એક મર્તબા અપને સે પહલે વાલે મુ-તહર્રિક હર્ફ સે મિલા કર
और दूसरी मर्तबा ખુદ अपनी उ-र-कत के मुताबिक उरा रुक कर.

સુવાલ નં. 32

ઈદગામ કા કાઈદા સુનાએં?

સબક નમ્બર 14

જવાબ

नून साकिन या तन्वीन के भा'द छुड़के यर-मलून में से कोई हर्फ आ जाये तो ईदगाम होगा.
) और ۞ में बिगैर गुन्ना के बाकी यार में गुन्ना के साथ.

સુવાલ નં. 33

હુરૂફે યર-મલૂન કિતને હેં ઓર કૌન કૌન સે હેં?

સબક નમ્બર 14

જવાબ

હુરૂફે યર-મલૂન છ⁶ હેં ઓર વોહ યેહ હેં: **و، ل، م، ن، ی**

સુવાલ નં. 34

ઈકલાબ કા કાઈદા સુનાએં?

સબક નમ્બર 14

જવાબ

नून साकिन या तन्वीन के भा'द हर्फ **ب** आ जाये तो ईकलाब होगा या'नी नून साकिन और
तन्वीन को भीम से बढल कर ईफ्फा करेगे या'नी गुन्ना कर के पढेगे.

સુવાલ નં. 35

મીમ સાકિન કે કિતને કાઈદે હેં ઓર વોહ કૌન કૌન સે હેં?

સબક નમ્બર 15

જવાબ

मीम साकिन के तीन काईदे हें और वोह येह हें **ईदगामे श-इवी, ईफ्फाએ શ-इવી, ઈઝહારે શ-इवी.**

સુવાલ નં. 36

ઈદગામે શ-ફવી કા કાઈદા સુનાએં?

સબક નમ્બર 15

જવાબ

मीम साकिन के भा'द दूसरी **م** आ जाये तो भीम साकिन में ईदगामे श-इवी होगा या'नी गुन्ना
करेगे.

સુવાલ નં. 37

ઈફ્ફાએ શ-ફવી કા કાઈદા સુનાએં?

સબક નમ્બર 15

જવાબ

मीम साकिन के भा'द **ب** आ जाये तो भीम साकिन में ईफ्फाએ શ-इवी होगा या'नी गुन्ना કરેંગે.

સુવાલ નં. 38

ઈઝહારે શ-ફવી કા કાઈદા સુનાએં?

સબક નમ્બર 15

જવાબ

मीम साकिन के भा'द **ب** और **م** के **ईलावा** कोई भी हर्फ आ जाये तो भीम साकिन में ઈઝહારે
શ-इवी होगा या'नी गुन्ना नहीं કરેંગે.

સુવાલ નં. 39

તફ્ફીમ વ તરકીક કે કયા મા'ના હેં?

સબક નમ્બર 16

જવાબ

तफ्फ़ीम के मा'ना हर्फ को **पुर** पढना और **तरकीक** के मा'ना हर्फ को **बारीक** पढना है.

સુવાલ નં. 40

ઈસ્મે જલાલત અલ્લાહ (ﷻ) કે **م** کو کب **पुर** और कब **बारीक** पढेगे? **सबक नम्बर 16**

જવાબ

ઈસ્મે જલાલત અલ્લાહ (عَزَّوَجَلَّ) કે لام سے پڑھے ڈکے پر زہر یا پेश ڈو تو ઈસ્મે જલાલત અલ્લાહ (عَزَّوَجَلَّ) કે لام કો પુર પઢેંગે ઓર ઈસ્મે જલાલત અલ્લાહ (عَزَّوَجَلَّ) કે لام سے પડલે ડકે કે નીચે ઝેર ડો તો ઈસ્મે જલાલત અલ્લાહ (عَزَّوَجَلَّ) કે لام કો બારીક પઢેંગે.

સુવાલ નં. 41

آلِف કો કબ પુર ઓર કબ બારીક પઢેંગે?

સબક નમ્બર 16

જવાબ

الف سے پڑھے પુર ડકે આ જાએ તો الف કો પુર ઓર બારીક ડકે આ જાએ તો الف કો બારીક પઢેંગે.

સુવાલ નં. 42

را કો પુર પઢને કી સૂરતે બતાએ?

સબક નમ્બર 16

જવાબ

(1) را પર زہر یا پेश ڈો (2) را પર દો زہર یا દો પेश ڈો (3) را પર ખડા زہર ડો (4) را સાકિન સે પડલે ડકે પર زہર یا પेश ડો (5) را સાકિન સે પડલે આરિઝી ઝેર ડો (6) را સાકિન સે પડલે ઝેર દૂસરે કલિમે મેં ડો (7) را સાકિન કે બા'દ હુરૂફે મુસ્તા'લિયા મેં સે કોઈ ડકે ઈસી કલિમે મેં ડો તો ઈન સબ સૂરતો મેં را કો પુર પઢેંગે.

સુવાલ નં. 43

را કો બારીક પઢને કી સૂરતે બતાએ?

સબક નમ્બર 16

જવાબ

(1) را કે નીચે ઝેર યા દો ઝેર ડો (2) را સાકિન સે પડલે ઝેરે અસ્લી ઈસી કલિમે મેં ડો (3) را સાકિન સે પડલે ۷ ساکينا ડો તો ઈન સબ સૂરતો મેં را કો બારીક પઢેંગે.

સુવાલ નં. 44

आरिज़ी ઝેર કિસે કહતે હેં?

સબક નમ્બર 16

જવાબ

કુરઆને પાક મેં બા'ઝ કલિમાત અલિફ સે શુરૂઆ હોતે હેં ઓર અલિફ પર કોઈ હ-ર-કત નહીં હોતી ઉન અલિફ પર જો ભી હ-ર-કત લગા કર પઢેંગે વોહ આરિઝી હ-ર કત હોગી જેસે رِجِي کے الف کے નીચે ઝેરે આરિઝી હે.

સુવાલ નં. 45

मद के क्या मा'ना हें ईस के कितने सभब हें और कौन कौन से हें?

સબક નમ્બર 17

જવાબ

मद के मा'ना दराज करना और भीयना है मद के सभब दो “2” हें (1) હમ્ઝા (2) સુકૂન

સુવાલ નં. 46

मद की कितनी किस्में हें और कौन कौन सी हें?

સબક નમ્બર 17

જવાબ

मद की छ “6” किस्में हें और वोल येह हें (1) મદે મુત્તસિલ (2) મદે મુન્ફસિલ (3) મદે લાઝિમ (4) મદે લીન લાઝિમ (5) મદે આરિઝ (6) મદે લીન આરિઝ

સુવાલ નં. 47

मद मुत्तसिल कब होगा?

સબક નમ્બર 17

જવાબ

હુરફે મદા કે બા'દ હમ્જા ઈસી કલિમે મેં હો તો મદે મુત્તસિલ હોગા.

સુવાલ નં. 48

મદે મુન્ફસિલ કબ હોગા ?

સબક નમ્બર 17

જવાબ

હુરફે મદા કે બા'દ હમ્જા દૂસરે કલિમે મેં હો તો મુદ્દે મુન્ફસિલ હોગા.

સુવાલ નં. 49

મદે મુત્તસિલ ઓર મદે મુન્ફસિલ કો કિતના ખીંચ કર પઢેંગે ?

સબક નમ્બર 17

જવાબ

મદે મુત્તસિલ ઓર મદે મુન્ફસિલ કો “દો, અઠાઈ અલિફ” યા'ની “યાર યા પાંચ હ-રકાત” કી મિકદાર તક ખીંચ કર પઢે.

સુવાલ નં. 50

મદે લાઝિમ કબ હોગા ?

સબક નમ્બર 17

જવાબ

હુરફે મદા કે બા'દ સુકૂને અસ્લી (—, —) હો તો મદ્દે લાઝિમ હોગા.

સુવાલ નં. 51

મદે લીન લાઝિમ કબ હોગા ?

સબક નમ્બર 17

જવાબ

હુરફે લીન કે બા'દ સુકૂને અસ્લી (—) હો તો મદ્દે લીન લાઝિમ હોગા.

સુવાલ નં. 52

મદે લાઝિમ ઓર મદે લીન લાઝિમ કો કિતના ખીંચ કર પઢેંગે ?

સબક નમ્બર 17

જવાબ

મદે લાઝિમ ઓર મદે લીન લાઝિમ કો “ત્રીન અલિફ” યા'ની “છ⁶ હ-રકાત” કી મિકદાર તક ખીંચ કર પઢે.

સુવાલ નં. 53

મદે આરિઝ કબ હોગા ?

સબક નમ્બર 17

જવાબ

હુરફે મદા કે બા'દ આરિઝી સુકૂન હો યા'ની વક્ફ કી વજહ સે કોઈ હર્ફ સાકિન હો જાએ તો મદ્દે આરિઝ હોગા.

સુવાલ નં. 54

મદે લીન આરિઝ કબ હોગા ?

સબક નમ્બર 17

જવાબ

હુરફે લીન કે બા'દ આરિઝી સુકૂન હો યા'ની વક્ફ કી વજહ સે કોઈ હર્ફ સાકિન હો જાએ તો મદ્દે લીન આરિઝ હોગા.

સુવાલ નં. 55

મદે આરિઝ ઓર મદે લીન આરિઝ કો કિતના ખીંચ કર પઢેંગે ?

સબક નમ્બર 17

જવાબ

મદે આરિઝ ઓર મદે લીન આરિઝ કો “એક, દો યા ત્રીન અલિફ” યા'ની “દો, યાર યા છ⁶ હ-રકાત” કી મિકદાર તક ખીંચ કર પઢે.

સુવાલ નં. 56

ઝાઈદ અલિફ કિસે કહતે હેં ઓર ક્યા ઈસે પઢતે હેં ?

સબક નમ્બર 19

જવાબ

કુરઆને પાક મેં બા'ઝ જગહ અલિફ પર ગોલ દાએરે “○” કા નિશાન હોતા હેં એસે અલિફ કો ઝાઈદ અલિફ કહતે હેં ઓર ઈસ અલિફ કો નહીં પઢતે.

સુવાલ નં. 57

مَنْزِلٌ، مَنزِلٌ، مَنزِلٌ اور مَنْزِلٌ કે નૂન સાકિન મેં કૌન સા કાઈદા હોગા ? સબક નમ્બર 20

જવાબ

ઈન ચાર કલિમાત મેં નૂન સાકિન કે બા'દ હુરફે યર-મલૂન એક કલિમે મેં આને કી વજહ સે ઈદગામ નહીં બલકે ઈઝહારે મુત્લક હોગા ઈસ લિયે ઈન કલિમાત મેં ગુન્ના નહીં કરેંગે.

સુવાલ નં. 58 સક્તા કિસે કહતે હેં?

સબક નમ્બર 20

જવાબ

આવાઝ રોક કર સાંસ લિયે બિગૈર આગે પઢને કો સક્તા કહતે હેં યા'ની આવાઝ રુક જાએ ઓર સાંસ જારી રહે.

સુવાલ નં. 59 તસ્હીલ કે ક્યા મા'ના હેં?

સબક નમ્બર 20

જવાબ

તસ્હીલ કે મા'ના નરમી કરના હે યા'ની દૂસરે હમ્ઝા કો નરમી કે સાથ પઢના.

સુવાલ નં. 60 ઇમાલહ કિસે કહતે હેં?

સબક નમ્બર 20

જવાબ

ઝબર કો ઝેર ઓર الف کو یا کی तरफ माँल कर के पढने को ઈમાલહ કહતે હેં.

સુવાલ નં. 61 ઇમાલહ કી ۱) કો કિસ તરહ પઢેંગે?

સબક નમ્બર 20

જવાબ

ઇમાલહ કી ۱) કો ઉદ્દ કે લફઝ કતરે કી ۱) કી તરહ પઢેંગે. યા'ની ۲) નહીં બલકે ۳) પઢેંગે.

સુવાલ નં. 62 વક્ફ કે ક્યા મા'ના હેં?

સબક નમ્બર 21

જવાબ

વક્ફ કે મા'ના ઠહરને ઓર રુકને કે હેં.

સુવાલ નં. 63 વક્ફ કી હાલત મેં કલિમે કે આબિરી હર્ફ પર ઝબર, ઝેર, પેશ, દો ઝેર યા દો પેશ હોં, તો ક્યા કરેંગે?

સબક નમ્બર 21

જવાબ

વક્ફ કી હાલત મેં કલિમે કે આબિરી હર્ફ પર ઝબર, ઝેર, પેશ દો ઝેર યા દો પેશ હોં તો ઉસ હર્ફ કો સાકિન કર દેંગે.

સુવાલ નં. 64 વક્ફ કી હાલત મેં કલિમે કે આબિરી હર્ફ પર દો ઝબર કી તન્વીન હો તો ક્યા કરેંગે?

સબક નમ્બર 21

જવાબ

વક્ફ કી હાલત મેં કલિમે કે આબિરી હર્ફ પર દો ઝબર કી તન્વીન હો તો ઉસે અલિફ સે બદલ દેંગે.

સુવાલ નં. 65 વક્ફ કી હાલત મેં ગોલ ۴ “ ۵ ” હો તો ક્યા કરેંગે?

સબક નમ્બર 21

જવાબ

ગોલ ۴ “ ۵ ” પર ખ્વાહ કોઈ ભી હ-ર-કત હો ઉસે વક્ફ મેં ۶ સાકિન “ ۷ ” સે બદલ દેંગે.

સુવાલ નં. 66 નૂન કુત્તી કિસે કહતે હેં?

સબક નમ્બર 21

જવાબ

તન્વીન કે બા'દ હમ્ઝાએ વસ્લી આ જાએ તો વસ્લ મેં હમ્ઝાએ વસ્લી કો ગિરાતે હુએ તન્વીન કે નૂન સાકિન કો ઝેર દે કર એક છોટા સા નૂન લિખ દિયા જાતા હે ઉસે નૂન કુત્તી કહતે હેં.

સુવાલ નં. 67 ગોલ દાએરા “o” વક્ફ કી કૌન સી અલામત હૈ ઓર ઈસ પર કયા કરના ચાહિયે ?

સબક નમ્બર 21

જવાબ યેહ વક્ફે તામ ઓર આયત મુકમ્મલ હોને કી અલામત હૈ. ઈસ પર ઠહરના ચાહિયે.

સુવાલ નં. 68 વક્ફ કી કૌન સી અલામત હૈ ઓર ઈસ પર કયા કરના ચાહિયે ?

સબક નમ્બર 21

જવાબ યેહ વક્ફે લાઝિમ કી અલામત હૈ યહાં ઝરૂર ઠહરના ચાહિયે.

સુવાલ નં. 69 વક્ફ કી કૌન સી અલામત હૈ ઓર ઈસ પર કયા કરના ચાહિયે ?

સબક નમ્બર 21

જવાબ યેહ વક્ફે મુત્લક કી અલામત હૈ યહાં ઠહરના બેહતર હૈ.

સુવાલ નં. 70 વક્ફ કી કૌન સી અલામત હૈ ઓર ઈસ પર કયા કરના ચાહિયે ?

સબક નમ્બર 21

જવાબ યેહ વક્ફે જાઈઝ કી અલામત હૈ યહાં ઠહરના બેહતર ઓર ન ઠહરના ભી જાઈઝ હૈ.

સુવાલ નં. 71 વક્ફ કી કૌન સી અલામત હૈ ઓર ઈસ પર કયા કરના ચાહિયે ?

સબક નમ્બર 21

જવાબ યેહ વક્ફે મુજવ્વઝ કી અલામત હૈ યહાં ઠહરના જાઈઝ મગર ન ઠહરના બેહતર હૈ.

સુવાલ નં. 72 વક્ફ કી કૌન સી અલામત હૈ ઓર ઈસ પર કયા કરના ચાહિયે ?

સબક નમ્બર 21

જવાબ યેહ વક્ફે મુરખ્ખસ કી અલામત હૈ યહાં મિલા કર પઢના ચાહિયે.

સુવાલ નં. 73 Y પર વક્ફ કી વઝાહત ફરમાએ ?

સબક નમ્બર 21

જવાબ અગર આયત કે ઊપર Y “o” લિખા હો તો ઠહરને ઓર ન ઠહરને મેં ઈખ્તિલાફ હૈ આયત કે ઈલાવા Y લિખા હો તો ન ઠહરેં.

સુવાલ નં. 74 ઈઆદા કિસે કહતે હેં ?

સબક નમ્બર 21

જવાબ વક્ફ કરને કે બા'દ પીછે સે મિલા કર પઢને કો ઈઆદા કહતે હેં.

સુવાલ નં. 75 સુન્નતોં કા પાબન્દ ઓર નેક બનને કે લિયે કૌન સા વઝીફા પઢના ચાહિયે ?

સફહા નમ્બર 7

જવાબ સુન્નતોં કા પાબન્દ ઓર નેક બનને કે લિયે ચલતે ફિરતે يا خبير પઢના ચાહિયે.

સુવાલ નં. 76 ઈલ્મ કે પાંચ દ-રજાત કૌન કૌન સે હેં ?

સફહા નમ્બર 7

જવાબ ઈલ્મ કે પાંચ દ-રજાત યેહ હેં (1) ખામોશી (2) તવજજોહ સે સુનના (3) જો સુના ઉસે યાદ રખના

(4) જો સીખા ઉસ પર અમલ કરના (5) જો ઈલ્મ હાસિલ હુવા ઉસે દૂસરો તક પહોંચાના.

સુવાલ નં. 77 હાફિઝે કી મઝબૂતી કા વઝીફા બતાઈયે ?

સફહા નમ્બર 12

જવાબ

يَا عَلِيْمٌ 21 બાર (અવ્વલ વ આબિર એક એક બાર દુરુદ શરીફ) પઠ કર પાની પર દમ કર કે 40 રોઝ તક નહાર મુંહ પીને (યા પિલાને) સે. اِنَّ شَاءَ اللّٰهُ فِىْ يَوْمِ الْاٰخِرَةِ پીને વાલે કા હાફિઝા મઝબૂત હોગા.

સુવાલ નં. 78 સબક યાદ કરને સે પહલે કૌન સી દુઆ પઠની યાહિયે ?

જવાબ

સબક યાદ કરને સે પહલે અવ્વલ વ આબિર દુરુદ શરીફ પઠ કર યેહ દુઆ

اللّٰهُمَّ افْتَحْ عَلَيْنَا حِكْمَتَكَ وَاَنْشُرْ عَلَيْنَا رَحْمَتَكَ يَا ذَا الْجَلَالِ وَالْاِكْرَامِ પઠની યાહિયે.

સુવાલ નં. 79 વુઝૂ કે કિતને ફરાઈઝ હેં ઓર કૌન કોન સે હેં ?

જવાબ

વુઝૂ કે ચાર ફરાઈઝ હેં ઓર વોહ યેહ હેં 1. પૂરા ચેહરા ધોના 2. કોહ્નિયોં સમેત દોનોં હાથ ધોના 3. ચૌથાઈ સર કા મસ્હ કરના 4. ટપ્નોં સમેત દોનોં પાઉં ધોના

સુવાલ નં. 80 ગુસ્લ કે કિતને ફરાઈઝ હેં ઓર કૌન કૌન સે હેં ?

જવાબ

ગુસ્લ કે ત્રીન ફરાઈઝ હેં ઓર વોહ યેહ હેં 1. કુલ્લી કરના 2. નાક મેં પાની ચઢાના 3. તમામ ઝાહિરી બદન પર પાની બહાના

સુવાલ નં. 81 તયમ્મુમ કે કિતને ફરાઈઝ હેં ઓર કૌન કૌન સે હેં ?

જવાબ

તયમ્મુમ કે ત્રીન ફરાઈઝ હેં ઓર વોહ યેહ હેં 1. નિચ્ચત 2. સારે મુંહ પર હાથ ફેરના 3. કોહ્નિયોં સમેત દોનોં હાથોં કા મસ્હ કરના

સુવાલ નં. 82 નમાઝ કી કિતની શરાઈત હેં ઓર કૌન કૌન સી હેં. ?

જવાબ

નમાઝ કી છ'શરાઈત હેં ઓર વોહ યેહ હેં (1) તહારત (2) સિત્રે ઓરત (3) ઈસ્તિકબાલે કિબ્લા (4) વક્ત (5) નિચ્ચત (6) તકબીરે તહરીમા

સુવાલ નં. 83 નમાઝ કે કિતને ફરાઈઝ હેં ઓર કૌન કૌન સે હેં ?

જવાબ

નમાઝ કે સાત ફરાઈઝ હેં ઓર વોહ યેહ હેં :

(1) તકબીરે તહરીમા (2) કિયામ (3) કિરાઅત (4) રુકૂઅ

(5) સુજૂદ (6) કા'દએ અખીરા (7) ખુરૂજે બિસુન્ઈહી

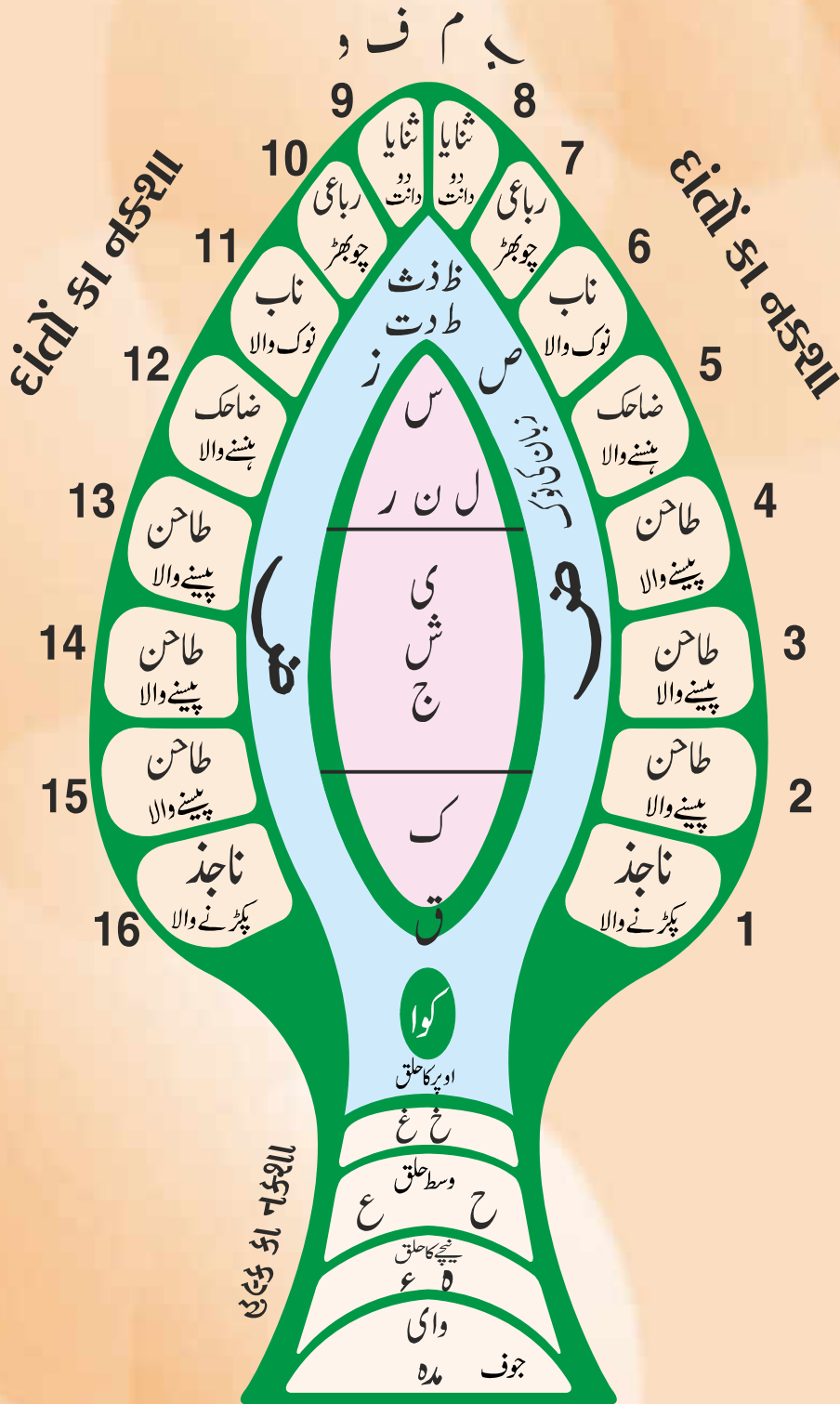
अल्लाह ! मुझे हाकिमे कुरआन बना दे

अज : शैबे तरीकत अभीरे अहले सुन्नत भानिये दा'वते ईस्लामी हजरत अल्लामा मौलाना
अबू बिलाल मुहम्मद ईत्यास अत्तार कादिरि (دانت بركاتهم العالیة)

अल्लाह ! मुझे हाकिमे कुरआन बना दे कुरआन के अहकाम पे भी मुज को यला दे
डो जया करे याद सबक जल्द ईलाही ! मौला तू मेरा हाकिमा मजबूत बना दे
सुस्ती डो मेरी दूर उई जल्द सवेरे तू मद्रसे में दिल् मेरा अल्लाह ! लगा दे
डो मद्रसे का मुज से न नुकसान कभी भी अल्लाह ! यहां के मुजे आदाब सिखा दे
छुट्टी न कइं भूल के भी मद्रसे की में अवकात का भी मुज को तू पाबन्द बना दे
उस्ताद डों मौजूद या बाहर कहीं मसइफ आदत तू मेरी शोर मयाने की मिटा दे
भस्वत डो मेरी दूर शरारत की ईलाही ! सन्जदा बना दे मुजे सन्जदा बना दे
उस्ताद की करता रहुं हर दम में ईताअत मां बाप की ईज्जत की भी तौईक जुदा दे
कपडे में रभूं साइ तू दिल् को मेरे कर साइ मौला तू मदीना मेरे सीने को बना दे
फिल्मों से डिरामों से दे नफरत तू ईलाही बस शौक मुजे ना'तो तिलावत का जुदा दे
में साथ जमाअत के पढूं सारी नमाजें अल्लाह ! ईबादत में मेरे दिल् को लगा दे
पढता रहुं कसरत से दुइद उन पे सदा में और जिंक का भी शौक पअे गौसो रजा दे
हर काम शरीअत के मुताबिक में कइं काश ! या रभ तू मुबद्लिग मुजे सुन्नत का बना दे
में जूट न भोलूं कभी गाळी न निकालूं अल्लाह मरज से तू गुनाहों के शिफा दे
में झालतू बातों से रहुं दूर डमेशा युप रहने का अल्लाह ! सलीका तू सिखा दे
अप्लाक डों अथ्छे मेरा किरदार डो सुथरा मडबूब का सदका तू मुजे नेक बना दे
उस्ताद डों, मां बाप डों, अत्तार भी डो साथ यूं उज को यलें और मदीना भी दिभा दे

امین بیجاہ النبوی ائمین صلی اللہ علیہ وسلم

مہاریشی ہجرت کا نقشہ



Islam Ki Bunyadi Baaten (Hissa-1) Gujarati

મ-દની મુન્નોં કે લિયે બુન્યાદી ઈસ્લામી મા'લૂમાત પર મુશ્તમિલ મુ-ફરિદ કિતાબ



ઈસ્લામ કી બુન્યાદી બાતેં

(હિસ્સા : 1)

સાહિબના નામ

મ-દની નિસાબ બરાએ મ-દની કાષ્ઠા



नेक+नमाज़ी+जनने के+लिये

हर जुमे'रात का'द-नमाज़े ईशा आप के यहां होने वाले द्वा'वते ईस्लामी के हफ्तावार सुन्नतों परे ईजतिमाअ में रिआअे ईलाही के लिये अख्ती अख्ती निप्यतों के साथ सारी रात शिकत करमाईये ॐ सुन्नतों की तरबियत के लिये मदनी काइले में आशिकाने रसूल के साथ हर माह तीन दिन सफर और ॐ रोजाना "दिके मदीना" के ऊरीअे मदनी ईन्आमात का रिसाला पुर कर के हर मदनी माह की पहली तारीख अपने यहां के जिम्मेदार को जम्अ करवाने का मा'भूल बना लीजिये.

मेरा मदनी मकसद : "भुजे अपनी और सारी दुन्या के लोगों की ईस्वाह की कोशिश करनी है." ۞

अपनी ईस्वाह के लिये "मदनी ईन्आमात" पर अमल और सारी दुन्या के लोगों की ईस्वाह की कोशिश के लिये "मदनी काइलों" में सफर करना है. ۞



**Maktabatul
Madina**

- 📍 Mohammad Ali Road, Mandvi Post Office, Mumbai 📞 9022177997, 9330558372
- 📍 Faizane Madina, Teen Koniya Bagicha, Mirzapur, Ahmedabad 📞 9327168200
- 📍 421, Urdu Market, Matia Mahal, Near: Noor Guest House, Jama Masjid, Delhi
- 📞 011-23284560, 8178862570 📞 For Home Delivery: 9978626025™™™
- 📧 feedbackmmhind@gmail.com 🌐 www.dawateislamihind.net